रोहतक
सोमवार, 7 जुलाई 2025
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष,
द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 157
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 37.6
न्यून. 25.8

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

07 मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित हुआ दीपिका का गोल

खबर संक्षेप

दलाई लामा ने मनाया अपना 90वां जन्मदिन

धर्मशाला। हिमाचल के धर्मशाला में रविवार को तिब्बती धर्मगुरु

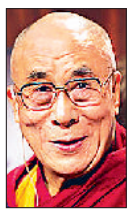

दलाई लामा का 90वां जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर धर्मशाला स्थित त्सुगलाखंग मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु, तिब्बती समुदाय के लोग, बौद्ध भिक्षु और अंतरराष्ट्रीय अनुयायी एकत्र हुए। पीएम नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। *एजेंसी*

फरार कुख्यात अपराधी अजय लांबा गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कई अपराधों के सिलसिले में 25 सालों से फरार 49 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति पर आरोप है कि वह टैक्सी किराये पर मंगाता था, तथा उनके चालकों की हत्या कर उनके शवों को उत्तराखंड के दूरदराज के जंगली इलाकों में फेंक देता था और वाहनों को नेपाल सीमा पार बेच देता था। *एजेंसी*

अदालतें अग्रिम जमानत असाधारण केसों में ही दें

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि अग्रिम जमानत देने का अधिकार एक असाधारण शक्ति है और इसका प्रयोग केवल असाधारण मामलों में ही किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने आशीष कुमार को अग्रिम जमानत देने से इनकार करयह टिप्पणी की। कुमार पर चचेरे भाई पर हमला का आरोप है। *एजेंसी*

राइफल से गोली चलने पर जवान की मौत

राजौरी/जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले स्थित सेना के एक शिविर में अपनी सर्विस राइफल से गोली चल जाने पर एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात राजौरी से 40 किलोमीटर दूर सोलंकी गांव में 54वीं राष्ट्रीय राइफल्स का यह जवान कंपनी मुख्यालय में पहरा दे रहा था कि तभी यह घटना हुई। गोली की आवाज सुनकर बाकी जवान घटनास्थल पर पहुंचे। *एजेंसी*

वेटिंग रूम में एक घंटा बैठने के लगेंगे 10 रुपये

नई दिल्ली। भारतीय रेल के इस बड़े फैसले से यात्रियों की जेब पहले के मुकाबले और ढीली होगी। ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पहुंचने पर अब वेंटिंग कक्ष में बैठने के लिए आपको व्यवस्थापक को 10 रुपये देने होंगे। इसके पीछे कारण वेटिंग रुम की व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपे जाने को बताया जा रहा है। घंटे के लिए 10 रुपए देना होगा। एजेंसी

एलन मस्क की डोनाल्ड ट्रंप से अब आर-पार की लड़ाई

राष्ट्रपति ट्रंप से अदावत में राजनीति में कूदे मस्क 'अमेरिका पार्टी' का ऐलान, बदलाव का किया वादा

देश को दो पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी, 66 फीसदी लोग नई पार्टी चाहते हैं, ऐसा होकर रहेगा

लोगों को स्वतंत्रता दिलवाने के लिए ऐसा करना जरूरी था

न्यूयॉर्क (भाषा)। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मतभेद के बाद अमेरिका के लोगों को उनकी आजादी वापस दिलाने के लिए एक नयी राजनीतिक पार्टी बनाई है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घोषणा की कि उन्होंने देश में दो-पक्षीय प्रणाली को चुनौती देने के लिए 'अमेरिका पार्टी' का गठन किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए आज 'अमेरिका पार्टी' का गठन किया गया है। टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, ''जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है तो हम लोकतंत्र में नहीं, एक पार्टी प्रणाली होते में हैं। मस्क ने हालांकि यह नहीं बताया कि पार्टी कहां पंजीकृत हो सकती है। कानूनी रूप से पार्टी बनाने के लिए उसका संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) में पंजीकरण कराना होता है। सीएनएन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि एफईसी की हालिया फाइलिंग में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है। मस्क ने पहली बार पार्टी बनाने की संभावना ट्रंप के साथ अपने सार्वजनिक विवाद के दौरान उठाई थी। इसके बाद उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग का अपना जिम्मा छोड़ दिया था।

अमेरिका का टू पार्टी सिस्टम

अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरुआत 1828 में एंड्रू जैक्सन के दौर में हुई। यह शुरुआत में किसानों और आम जनता की पार्टी मानी जाती थी। 20वीं सदी में यह सामाजिक कल्याण, न्यू डील जैसे आर्थिक सुधारों और नागरिक अधिकारों की पैरोकार बनी। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई।

भारत में रॉयटर्स का 'एक्स' अकाउंट फिर से बहाल किया गया

नई दिल्ली (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'रॉयटर्स' के 'एक्स' अकाउंट को भारत में कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन बाद में जब सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि उसने अकाउंट को बंद करने की कोई मांग नहीं की है, तब इसे फिर से बहाल कर दिया गया। रातों-रात भारत में रॉयटर्स के 'एक्स' अकाउंट को बंद कर दिया गया, जिससे अटकलों का बाजार गर्म हो गया था। सरकार ने एलन मस्क के स्वामित्व वाले इस प्लेटफॉर्म से स्पष्टीकरण मांगा और कहा कि उसने रॉयटर्स के 'एक्स' अकाउंट को बंद करने की कोई मांग नहीं की है।

उत्तर भारत के राज्यों में मानसूनी बारिश मचा रही तबाही, अब तक 82 की मौत

चंबा में बादल फटा, पांच पुल बहे प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में बारिश ने तबाही मचानी शुरू कर दी है। पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन के कारण ज्यादातर सड़कें बंद हो चुकी हैं। चंबा-मंडी जिले में रविवार को बादल फटने की घटना में 5 पुल बह गए। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में मनाली-रोहतांग दर्रे के पास अल्टो कार सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। घटना में 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल है। राज्य में अब तक 82 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। 50 लोगों की जान लैंडस्लाइड-बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में हुई। 32 लोगों की जान सड़क हादसों में हुई है। लैंडस्लाइड के कारण राज्य की 269 सड़कों पर यातायात बंद हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी बांध के 9 गेट खोले गए। प्रदेश में देर रात कई जिलों में भारी बारिश हुई। इनमें हिसार, रोहतक, सोनीपत और महेंद्रगढ़ जिले शामिल रहे। वहीं मौसम विभाग ने 13 जिलों के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल में ज्यादातर मौतें लैंडस्लाइड के कारण

हिमाचल प्रदेश में 20 जून से 6 जुलाई तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है। 50 मौतें लैंडस्लाइड, बाढ़ और बादल फटने से जुड़ी घटनाओं में हुई। 28 लोगों की जान बारिश के कारण हुए रोड एक्सीडेंट में हुई हैं।

महाराष्ट्र के नासिक में गंगापुर डैम ओवरफ्लो

महाराष्ट्र के नासिक में तेज बारिश का अलर्ट है। इसके कारण गंगापुर डैम ओवरफ्लो है। शनिवार शाम बांध से गंगापुर की गोदावरी नदी में 6642 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। नदी किनारे मौजूद गांवों में अलर्ट जारी किया गया है।

देर रात हिसार-रोहतक सहित 4 जिलों में झमाझम

प्रदेश में रविवार को कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने यमुनानगर, सोनीपत, रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी, झज्जर, गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, फरीदाबाद, नूंह और पलवल में यलो अलर्ट जारी किया है। रविवार देर रात रोहतक, हिसार, महेंद्रगढ़ और सोनीपत में तेज बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इससे पहले सुबह और दोपहर में अंबाला, यमुनानगर और कैथल में बारिश हुई थी। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से मानसून की हवाएं दक्षिण की ओर चली गई थीं, जिससे हरियाणा में ज्यादातर जगहों पर कम बारिश हुई, लेकिन अब ये हवाएं उत्तर की ओर बढ़ रही हैं। इस वजह से बंगाल की खाड़ी से नमी भरी हवाएं हरियाणा की ओर आ रही हैं। 10 जुलाई तक हरियाणा में मौसम बदलता रहेगा। इस दौरान दिन के तापमान में थोड़ी गिरावट आएगी और हवा में नमी बनी रहेगी।

अमेरिका टेक्सास में बाढ़ से 51 लोगों की मौत

केरविल (अमेरिका)। अमेरिका के टेक्सास में शुक्रवार तड़के आई अचानक बाढ़ में कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक 'समर कैंप' में शामिल हुई 27 लड़कियां अब भी लापता हैं। केर काउंटी में बाढ़ के कारण 15 बच्चों सहित कम से कम 43 लोगों की मौत हो गई तथा आसपास की क्षेत्रों में भी कई लोग मारे गए।

टेस्ट क्रिकेट में रचा दिया इतिहास

बर्मिंघम में इंडिया की 58 साल में पहली जीत

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया आकाशदीप- 10 विकेट, गिल- 430 रन

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। 608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था। मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिए। *(संबंधित खेल पेज पर)*

दिल्ली में 1400 नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को स्थायी नियुक्ति पत्र दिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 1,388 नर्सों और 41 पैरामेडिकल स्टाफ को स्थायी नौकरी दे दी है। सीएम रेखा गुप्ता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को नियुक्ति पत्र सौंपे। गुप्ता ने कहा कि वर्षों तक पिछली दिल्ली सरकारों ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को कोई स्थायी नौकरी नहीं दी। यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब कई सालों के बाद 1,388 नर्सों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

नड्डा और रेखा ने पिछली सरकारों पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, 1,388 नर्सों को नियुक्ति पत्र दिए

गांव में भारी पुलिस बल तैनात, अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित है पीड़ित परिवार

नकाबपोश युवकों ने दो मकानों में लगाई आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

गांव ढाणी माहू गांव में अल्पसंख्यक परिवार के दो मकानों का सामान पहले बाहर फेंका गया, इसके बाद मकान को और सामान को आग के हवाले किया गया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची वहीं अग्निशमन विभाग की गाड़ियां भी बुलाई गई और आग पर काबू पाया गया। पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। ग्रामीणों के मुताबिक दर्जनों की तादाद में नकाबपोश युवकों ने घटना को अंजाम दिया। तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बलों की तैनाती की गई है। बताया जाता है मामला लड़की से जुड़ा था तथा लड़की राजस्थान के किसी गांव से थी, जिसका ननिहाल हरियाणा में बताया जा रहा है। ये भी बताया जा रहा है कि लड़की के साथ उक्त व्यक्ति के परिवार का ताल्लुक है। हालांकि स्थिति स्पष्ट पुलिस की जांच के बाद ही हो पाएगी।

तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात, लड़की से जुड़ा है मामला

साक्षी ने विश्व मुक्केबाजी कप में जीता स्वर्ण पदक

अस्ताना (भाषा)। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां दूसरे विश्व मुक्केबाजी कप में महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। चौबीस साल की साक्षी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अमेरिका की योसलाइन पेरेज के खिलाफ सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। भारतीय दल ने यहां विश्व मुक्केबाजी कप में अच्छा प्रदर्शन किया है और कुल 11 पदक पक्के किए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ने गति और सटीक पंच के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

'आयुष्मान' पंजीकरण वैन को रवाना किया

विज्ञान भवन में नड्डा और रेखा गुप्ता ने 'आयुष्मान भारत योजना' के लिए पंजीकरण वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वैन दिल्ली के हर नागरिक को आयुष्मान भारत कार्ड पंजीकरण की सुविधा देगी।

पहले स्वास्थ्य क्षेत्र उपेक्षित रहा

नड्डा ने कहा कि पहले की सरकारों ने सभी क्षेत्रों में उदासीनता दिखाई। स्वास्थ्य क्षेत्र पूरी तरह उपेक्षित रहा। आयुष्मान भारत मिशन के तहत दिल्ली को सुविधा मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखा पत्र

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से सरकारी बंगला जल्द खाली कराएं

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए यहां कृष्ण मेनन मार्ग स्थित भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के आधिकारिक आवास को खाली कराने के लिए केंद्र को पत्र लिखा है। उसने कहा है कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ वहां निर्धारित अवधि से अधिक समय से रह रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को एक जुलाई को भेजे गए पत्र में शीर्ष अदालत प्रशासन ने कहा कि भारत के वर्तमान प्रधान न्यायाधीश के लिए निर्दिष्ट आवास - कृष्ण मेनन मार्ग पर बंगला नंबर 5 - को खाली करा दिया जाए और उसे अदालत के आवास पूल में वापस कर दिया जाए। पत्र में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव से बिना किसी देरी के पूर्व प्रधान न्यायाधीश से बंगले का कब्जा लेने का अनुरोध किया गया है, क्योंकि उन्हें आवास आवंटित किये जाने की दी गई अनुमति न केवल 31 मई 2025 को समाप्त हो गई बल्कि 2022 नियमों के तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि भी 10 मई 2025 को समाप्त हो गई है।

चार जजों को अब तक बंगला नहीं मिला चंद्रचूड़ वहां निर्धारित अवधि से अधिक समय से रह रहे

6 माह की अवधि के लिए रख सकते हैं बंगला

सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश (संशोधन) नियम, 2022 के नियम 3बी के तहत, भारत के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश सेवानिवृत्ति के बाद अधिकतम छह महीने की अवधि के लिए टाइप 7 बंगला रख सकते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, जिन्होंने नवंबर 2022 और नवंबर 2024 के बीच 50वें सीजेआई के रूप में कार्य किया है, वह पद छोड़ने के लगभग आठ महीने बाद भी भारत के प्रधान न्यायाधीश के आधिकारिक आवास पर रह रहे हैं। पिछले साल 18 दिसंबर को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि उन्हें 30 अप्रैल 2025 तक 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित आवास में रहने की अनुमति दी जाए।

सम्मेलन | पीएम मोदी ने ब्रिक्स समिट में भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज बताया

संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं पर तंज कसते हुए कहा कि बदलाव अब जरूरी है वरना ये सिर्फ शोपीस बनकर रह जाएंगी

आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए : मोदी

रियो डी जेनेरियो (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रविवार को कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम में हुआ ''कायरतापूर्ण'' आतंकवादी हमला भारत की ''आत्मा, पहचान और गरिमा'' पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, ''यह हमला न केवल भारत पर, बल्कि पूरी मानवता पर आघात था।' प्रधानमंत्री ने कहा, ''आतंकवाद की निंदा करना हमारा 'सिद्धांत' होना चाहिए, न कि केवल सहूलियत।' उन्होंने कहा, ''अगर हम पहले यह देखें कि हमला किस देश में हुआ, किसके खिलाफ हुआ तो यह मानवता के साथ विश्वासघात करना होगा।'' प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुट प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

भारत का दृष्टिकोण संवेदनशीलता और समाधान का

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन के मंच से सिर्फ भाषण नहीं दिया बल्कि यह साफ संदेश दिया कि भारत अब ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों की आवाज बनने को तैयार है। उन्होंने अपने पूरे संबोधन में भारत को एक जिम्मेदार, निर्णायक और नेतृत्वकारी भूमिका में पेश किया, जो सिर्फ अपने लिए नहीं, पूरे विश्व के लिए सोचता है। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद थे जो लंबे समय से खुद को ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधि बताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस बार पीएम मोदी ने यह दिखाया कि भारत का दृष्टिकोण सिर्फ रणनीति का नहीं, संवेदनशीलता और समाधान का है।

'ग्लोबल साउथ' अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार हुआ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' अक्सर ''दोहरे मानदंडों'' का शिकार हुआ है और विश्व अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान देने वाले राष्ट्रों को निर्णय लेने वाले मंच पर जगह नहीं मिल पाती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद(यूएनएससी) सहित प्रमुख वैश्विक संस्थाओं में तत्काल सुधार पर भी जोर दिया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में मोदी ने संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं पर तंज कसते हुए कहा कि बदलाव अब जरूरी है वरना ये सिर्फ शोपीस बनकर रह जाएंगी।

GALGOTIAS UNIVERSITY

moves *up further* in the World

Rankings.

Ranked **15th** amongst Top Private Universities in India.

Ranked **43rd** amongst Top Private & Government Universities in India.

Transforming Higher Education in India with Galgotias Student Centered Active Learning Ecosystem in Consultancy Collaboration with

InsPIRE at NANYANG TECHNOLOGICAL UNIVERSITY SINGAPORE

GALGOTIAS UNIVERSITY

www.galgotiasuniversity.edu.in

एसवाईएल पर बैठक 9 को, मुख्यमंत्री बोले-पंजाब से हमारा भाईचारा, बातचीत से रास्ता अवश्य निकलेगा

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एसवाईएल को लेकर 9 जुलाई को नई दिल्ली में अहम बैठक का आयोजन किया जाएगा। इसमें सर्वसम्मति से सकारात्मक पहलुओं पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब के साथ हमारा भाईचारा है, इसलिए बैठक में बातचीत से कोई रास्ता अवश्य निकलेगा।

मुख्यमंत्री नई दिल्ली के हरियाणा भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर को लेकर पंजाब व हरियाणा के बीच चल रहे पुराने विवाद को सुलझाने के लिए 9 जुलाई को बैठक बुलाई है। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने से इनकार कर चुके हैं। अब पंजाब यमुना-सतलुज-लिंक नहर के निर्माण की मांग कर रहा है। इससे पहले मई में सुप्रीम कोर्ट ने फिर से पंजाब और हरियाणा को मामले को सुलझाने के लिए केंद्र के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने पहले जल शक्ति मंत्री को इस मामले में मुख्य मध्यस्थ नियुक्त किया था और मामले में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए थे।

नई दिल्ली। हरियाणा भवन में पौधरोपण करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

जंगल सफारी के लिए व्यापक स्तर पर चल रहा कार्य

मुख्यमंत्री ने अन्य सवाल पर कहा कि प्रदेश में जंगल सफारी बनाने को लेकर भी व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है, जिसे जल्द ही अमलीजामा पहनाया जाएगा। कल ही गुजरात के वनतारा जामनगर का दौरा कर जानकारी ली गई है। वहां लावारिश, घायल पशु-पक्षियों को रेस्क्यू करके इलाज करने के लिए सेंटर बनाया हुआ है। यह केन्द्र उन्हें ऐसे पशु-पक्षियों, लुप्त हो रही प्रजातियों को संरक्षण देकर बचाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत दिनों केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र शेखावत से मिलकर एनसीआर में डिज्नीलैंड बनाने का आग्रह किया है। इसके लिए 500 एकड़ भूमि का चयन भी कर लिया गया है।

डॉ. मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

सरकार डॉ. मुखर्जी के दिखाए मार्ग पर चलकर गरीबों का उत्थान करने को प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पदचिह्नों पर चलते हुए अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब व्यक्ति की सेवा करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को हरियाणा भवन, नई दिल्ली में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।उन्होंने पर्यावरण को दूषित होने से बचाने हेतु महापुरूषों के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भी मौजूद रहे।

चर्चित आईएएस अधिकारी रानी नागर का मामला फिर चर्चा में

चौथे नोटिस का भी नहीं दिया जवाब, अब नौकरी पर संकट

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा कैडर की आईएएस अफसर रहीं रानी नागर कईं विवादों और कार्यशैली को लेकर चर्चाओं में रहीं हैं। नागर ने नौकरी को लेकर हरियाणा सरकार की ओर से भेजे गए चौथे और अंतिम नोटिस का भी जवाब नहीं दिया है। इस तरह से उन्होंने नौकरी को लेकर दिए गए नोटिस का जवाब नहीं मौका हाथ से निकाल दिया है। उक्त नोटिस हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव ऑफिस की ओर से भेजा गया है। यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) के निर्देशों पर राज्य सरकार की ओर से यह अंतिम नोटिस भेजा गया था, जवाब नहीं मिलने पर आयोग को इस बारे में लिखा जा चुका है। इस तरह से रानी नागर की नौकरी अब हाथ से निकलती दिखाई दे रही है। सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से पहले भी उनको मौके दिए गए थे, बाद में इस बारे में यूपीएससी को लिखकर भेजा गया था, लेकिन वहां से अंतिम व चौथा नोटिस भेजकर एक अवसर और दिए जाने के लिए कहा गया था।

हमेशा ही सुर्खियों और चर्चाओं में रहीं

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की न्यू पंजवटी कॉलोनी की रहने वाली आईएएस रानी नागर ने जहां हरियाणा में रहते हुए एसीएस रेंक के अफसर पर कथित आरोप मढ़ दिए थे। वहीं, उन्होंने कोविड काल के बाद में नौकरी छोड़ देने के बात फेसबुक पर लिख दी थी। बाद में अपने सगे भाई पर बड़ा आरोप लगाते हुए सवा करोड़ हड़पने की शिकायत गाजियाबाद पुलिस को दी थी।

अतिरिक्त सचिव के पद पर दे चुकीं सेवाएं : हरियाणा सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद पर रानी नागर सेवाएं दे चुकी हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी रानी नागर एक बार हमेशा ही सुर्खियों में रहीं हैं। पहले अपने इस्तीफे की बात पर और बाद में कईं माह का वेतन नहीं मिलने के कारण नागर ने सोशल मीडिया में इस बारे में लिख दिया था। नागर उस वक्त हरियाणा कैडर में अतिरिक्त सचिव पद पर कार्यरत थीं। उस दौरान पोस्ट में लिखा कि आईएएस रानी नागर आर्थिक विषमताओं से जूझ रही हैं। जून 2023 से सितंबर 2023 तक का वेतन अभी तक नहीं मिला था। रानी नागर ने फेसबुक पर अपना मेडिकल सर्टिफिकेट समेत तमाम दस्तावेज भी शेयर किए हैं। साथ ही आठ जून 2023 को ड्यूटी ज्वाइन करने की जानकारी भी दी है।

पहले दिया इस्तीफा बाद में वापस लिया: नागर का इस्तीफा केस मई 2020 में रानी नागर ने भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बाद में इस्तीफा वापस भी ले लिया था। यूपी के नेताओं ने उनका कैडर हरियाणा से बदलकर यूपी करने मांग भी की थी। फेसबुक पर अपनी हत्या की आशंका जताने वाली पोस्ट से भी चर्चा में रही थीं। आईएएस रानी नागर साल 2014 बैच की हरियाणा कैडर की आईएएस हैं।

पेपर लीक, पेपर कॉपी और घोटाले सरकार की पहचान : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़ । पेपर लीक, पेपर कॉपी और घोटाले बीजेपी सरकार में हुई भर्तियों की पहचान बन गए हैं। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के अभ्यर्थियों से रविवार को दिल्ली में अपने निवास पर बातचीत कर रहे थे। अलग अलग पेपर देने वाले अभ्यर्थियों का एक ग्रुप हुड्डा को ज्ञापन देने पहुंचा था। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा है कि एचपीएससी द्वारा करवाई गई असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के पेपर में गंभीर गड़बड़ियां उजागर हुई हैं।

हिस्ट्री के साथ-साथ हिंदी, जूलॉजी, केमिस्ट्री और फिजिक्स आदि जैसी भर्तियों के पेपरों में भी

गंभीर गड़बड़ड़ियां सामने आई हैं। अभ्यार्थियों ने बाकायदा कमीशन को लिखित शिकायतें भेजी हैं और इन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग उठाई है। सबसे बड़ी गड़बड़ी तो इन परीक्षाओं में यह हुई कि सभी जगह सील टूटे हुए पेपर अभ्यर्थियों को बांटे गए। पेपर की सील टूटने से पेपर लीक की आशंका जताई जा रही है।

डीजीपी के लिए सरकार ने यूपीएससी को अभी तक नहीं भेजा पैनल

चंडीगढ़। हरियाणा में नए पुलिस प्रमुख चेहरे को लेकर अभी तक राज्य की ओर से आईपीएस अफसरों के नाम नहीं भेजे गए हैं। हालांकि अप्रैल अंत में यूपीएससी की ओर से पत्र भेजकर अफसरों के नाम मांग लिए थे। उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि अभी तक नामों का पैनल नहीं भेजा गया है, हालांकि 22 अप्रैल इसी साल पत्र भेजकर यूपीएससी की ओर से नाम मांगे गए थे। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर हरियाणा से डीजीपी पद के लिए योग्य अफसरों के नाम भेजने को कहा था। हरियाणा गृह विभाग की ओर से भी पुलिस प्रमुख आफिस से इस तरह के नामों की सूची अभी तक भी नहीं मांगी गई है।

49 लाख से अधिक उपभोक्ता ऑनलाइन भर रहे बिजली बिल

चंडीगढ़। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने रविवार को बताया कि हरियाणा ने बिजली वितरण और उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में तकनीकी क्रांति कर दी है। आज प्रदेश में बिजलीं उपभोक्ताओं की संख्या 81 लाख 92 हजार 187 पहुंच गई है, उनमें से 49 लाख 15 हजार 312 उपभोक्ता अपने बिजली बिलों का भुगतान डिजिटल माध्यमों से कर रहे हैं। प्रदेश में बिजली वितरण का जिम्मा उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम गके पास है। इन दोनों निगमों को हर माह मिलने वाले कुल राजस्व का 60% से अधिक हिस्सा ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त हो रहा है। शहरों के साथ-साथ गांवों में भी ऑनलाइन बिल भरा जा रहा है।

माह के आखिरी सप्ताह में सीईटी की तैयारी, 1300 से ज्यादा केंद्र बनेंगे

चंडीगढ़। हरियाणा सीईटी 2025 परीक्षा का इंतजार करने वाले युवाओं के लिए राहत भरी खबर है। इस माह के अंतिम सप्ताह में इसे कराने की तैयारी हो गई है। खास बात यह है कि 13 सौ से ज्यादा केंद्रों पर यह परीक्षा होगी, जिसके लिए होमवर्क पूर्ण हो गया है। संभावित तारीखों की बात करें, तो यह 26 और 27 जुलाई होने की प्रबल संभावनाएं हैं। यहां पर बता दें कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सीईटी केंद्रों को लेकर भी जांच पड़ताल कराई और 1350 के करीब केंद्रों को हरिझंडी दे दी है। खास बात यह है कि इस बार लगभग साढ़े तीन केंद्रों को समाप्त किया गया है, क्योंकि यह कसौटी पर खरे नहीं थे। सीईटी परीक्षा को लेकर तैयारी करने वालों के लिए यह राहत की बात है।आयोग चेयरमैन का कहना है कि परीक्षा के लिए खास इंतजाम किए जाएंगे। परीक्षा के दौरान होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए आयोग ने कड़ी सुरक्षा की तैयारी के लिए कहा है। परीक्षार्थियों की हाजिरी के लिए बायोमेट्रिक और चेहरे को पहचानने के लिए स्कैनर लगाए जाएंगे।

13 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी देंगे पेपर

इस बार की परीक्षा में 13 लाख से ज्यादा परीक्षार्थियों के बैठने की उम्मीद है। अहम बात यह है कि आयोग की ओर से पूर्व में 23 सौ लगभग और बाद में पड़ताल के बाद इन्हें घटाकर 17 सौ करीब कर दिया गया था, इन सभी केंद्रों को लेकर आयोग की ओर से और गंभीरता दिखाई गई और 3 सौ से ज्यादा एक बार फिर कम कर दिए गए हैं। आयोग चेयरमैन ने पुलिस अफसरों से चिंतन मंथन के बाद में कहा है कि परीक्षा ठीक ढंग से कराने के लिए 13 हजार से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। एक सेंटर पर दर्जनभर की टीम होगी, इसके अलावा परीक्षा में ड्यूटी करने वालों का स्टाफ भी होगा। जुलाई अंतिम सप्ताह में होने वाले परीक्षा की तैयारी के साथ ही यह तारीख संभावित 26 और 27 जुलाई की संभावनाएं हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी इसके लिए खुद बैठक लेने वाले हैं। बताया जा रहा है कि लिए आयोग द्वारा 10 जुलाई को टेंडर खोले जाएंगे। आयोग की ओर से उपकरणों, सीसीटीवी कैमरे, ऑनलाइन, बायोमेट्रिक और क्यूआर कोड स्कैनिंग, चेहरा पहचान से जुड़े उपकरणों को लेकर टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होते ही तारीख पर भी मुहर लग जाएगी। ओएमआर शीट और परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा आदि बिंदुओं पर भी तैयारी की जा चुकी है।

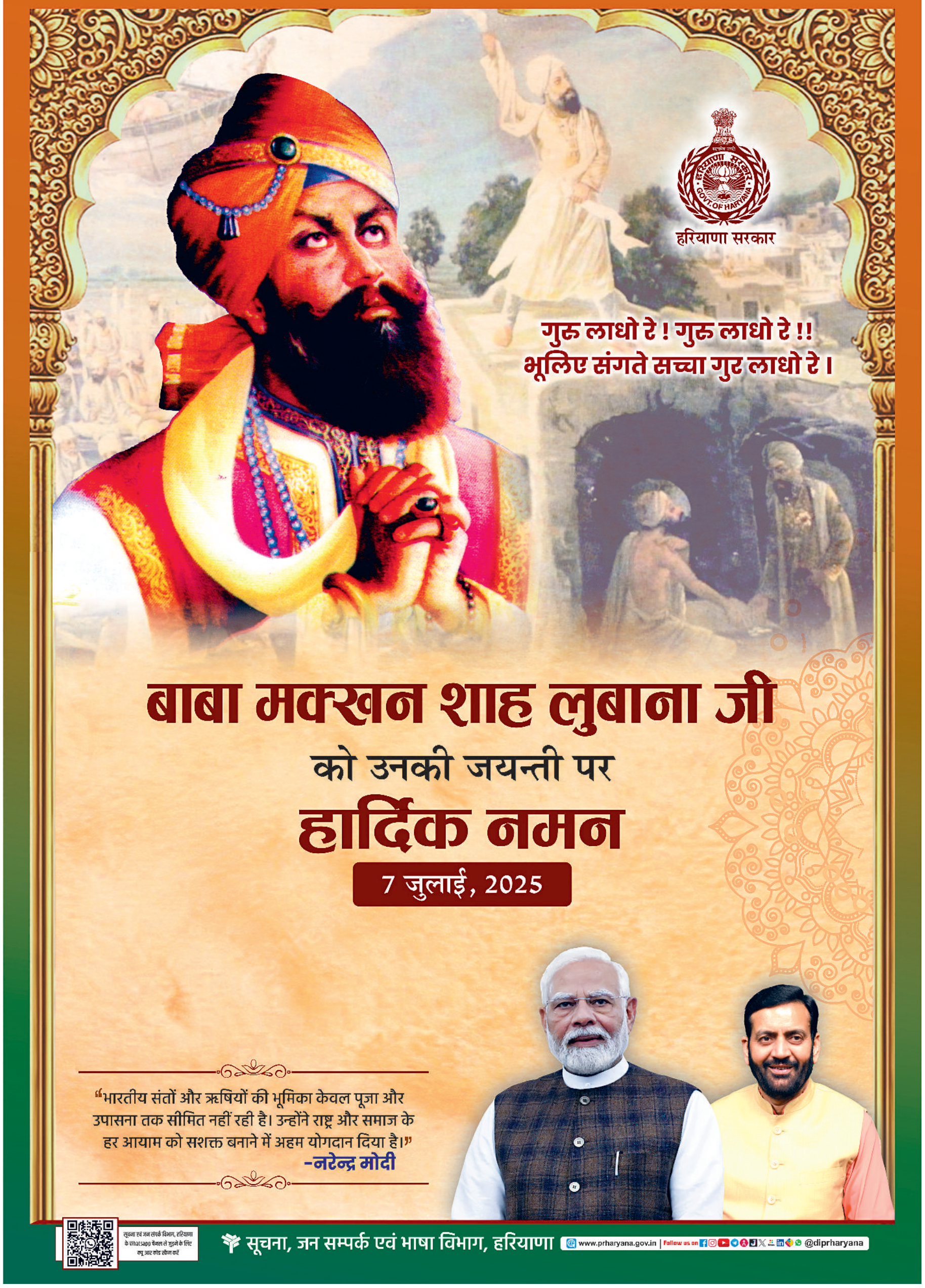

हाइफा की चतुर्थ पुरस्कार प्रतियोगिता में 'थर्सडे स्पेशल' चुनी गई सर्वश्रेष्ठ हिंदी शॉर्ट फिल्म

2024 में बनी शॉर्ट फिल्में, हरियाणवी वीडियो गीत और कहानी लेखन पुरस्कार प्रतियोगिताओं के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणवीं इनोवेटिव फिल्म एसोसिएशन (हाइफा) ने अपनी चतुर्थ पुरस्कार प्रतियोगिता 2024 के परिणामों की घोषणा कर दी है। हाइफा के वाइस प्रेसीडेंट एवं बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता यशपाल शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 2024 में बनी शॉर्ट फिल्में, हरियाणवी वीडियो गीत और कहानी लेखन पुरस्कार प्रतियोगिताओं के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को हाइफ़ा के सुपवा रोहतक में होने वाले वार्षिक समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

हिन्दी शॉर्ट फिल्म थर्सडे स्पेशल

हाइफा के प्रधान जनार्दन शर्मा तथा महासचिव रामपाल बल्हारा ने प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि हिंदी शॉर्ट फिल्मों की श्रेणी में प्रथम स्थान पर "थर्सडे स्पेशल" दूसरे स्थान पर "हैंडफुल ऑफ लाइफ" और तृतीय स्थान पर "20 रु. नोट" रही। इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता राम मिश्रा और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री शकुंतला मिश्रा दोनों फिल्म "थर्सडे स्पेशल" से चुने गए।

हरियाणवी शॉर्ट फिल्म नचार के कलाकार

शॉर्ट फिल्मों में नचार, भाई और बकरी प्रथम, द्वितीय और तृतीय रही

अभिनेता यशपाल शर्मा ने बताया कि हरियाणवी शॉर्ट फिल्मों की श्रेणी में नचार, भाई, और "बकरी" ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाया। इनके अलावा फ़िल्म "बस्ता"और "भोगा भगत" फिल्मों को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता "चेतन कौशिक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री "नैना शर्मा" दोनों फिल्म 'नचार ' से व सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार "कुलदीप" को 'बस्ता' फ़िल्म के लिए चुना गया है। डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की श्रेणी में प्रथम फिल्म "घूंघट"और द्वितीय "क्राफ्ट हैंडफुल" रहीं। ज्यूरी कमेटी के सदस्यों में प्रख्यात बॉलीवुड फिल्म निर्देशक राजीव भाटिया, निर्मात्री वंदना भाटिया तथा लेखक महिपाल सैनी शामिल रहे।

हरियाणवी वीडियो गीत पुरस्कार स्पर्धा के परिणाम

वीडियो गीत प्रतियोगिता में पहले स्थान पर "राम मिले भगवान", दूसरे पर "न्यारा हरियाणा" और तीसरे स्थान पर "ब्यूटी एंड ड्यूटी" गीत को चुना गया। वहीं, /"तेरे प्यार में कतई बावली/" गीत को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया है। उमेश वर्मा और गीता सिंह को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ पुरुष व महिला गायक चुना गया है। केलापति राहीवाल को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया है। इनका चयन हरियाणा की विख्यात फिल्म अभिनेत्रियों उषा शर्मा और सुमित्रा हुड्डा पेढनेकर ने किया।

कहानी लेखन प्रतियोगिता के परिणाम

कहानी लेखन पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के लिए संयुक्त रूप से डॉ. श्याम वशिष्ठ की कहानी "फ्राइड राइस और अखरोट" तथा मीना मलिक की कहानी "सिमटती यादें" के लिए चुना गया है। द्वितीय स्थान पर रामरतन पांडे की कहानी हार और तृतीय पुरस्कार के लिए संयुक्त रूप से सुरेश बरनवाल की कहानी दस्तावेज और डा. मनुहार शर्मा की कहानी बाबा की बुलेरी को चुना गया। वहीं, हरियाणवी कहानी पुरस्कार प्रतियोगिता की श्रेणी में चंद्रशेखर शर्मा की कहानी अलबेली को प्रथम और मनोज कुमार की कहानी लोन दूसरे तथा संगीता देवी की कहानी "काली कढ़ावणी" तीसरे स्थान पर रही। इनका चयन ज्यूरी कमेटी के सदस्यों प्रख्यात साहित्यकार डा. मधुकांत, डा. रामफल चहल और डा. अंजना गर्ग ने किया।

दिल्ली से हुआ हरियाणा में भाजपा के तीन जिला कार्यालयों का उद्घाटन

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सैनी व अन्य ने रिमोट दबाकर वर्चुअली किया उद्घाटन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

- झज्जर, कुरुक्षेत्र और सिरसा के कार्यकर्ता भी कार्यक्रम से जुड़े

हरियाणा में भाजपा के तीन जिला कार्यालयों झज्जर, कुरुक्षेत्र और सिरसा का उद्घाटन रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय से वर्चुअली किया। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी उपस्थित रहे। यहां नड्डा ने दिल्ली के भी तीन भाजपा कार्यालयों का रिमोर्ट से उद्घाटन किया। झज्जर, कुरूक्षेत्र और सिरसा में भी जो कार्यक्रम आयोजित किए गए थे उनको वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से जोड़ा गया। तीनों जिलों के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली से नड्डा, नायब और बड़ौली के संबोधन को सुना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर नमन करते हुए कहा कि आज हम एक वट वृक्ष के रूप में जिस भाजपा को देख रहे हैं इसके बीज डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रख दिए थे।

उन्होंने कहा कि डा. मुखर्जी बहु आयामी प्रतिभा के मालिक थे। 33 वर्ष की उम्र में कलकता यूनीवर्सिटी के वाइस चांसलर बने और लगभग 36 वर्ष की उम्र डा. मुखर्जी विधानसभा पहुंच गए थे।

मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री ने किया जामनगर के वनतारा का भ्रमण

चंडीगढ़। अरावली की गोद में विकसित होने वाली विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी अब हरियाणा की नई पहचान बनने जा रही है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल राज्य में हरित पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में भी एक अहम कदम साबित होगी। इस परियोजना को मूर्तरूप देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ गुजरात के वनतारा जामनगर का दौरा कर जानकारी हासिल की। हरियाणा में यह जंगल सफारी लगभग 10,000 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाएगी, जिसमें विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों, पक्षियों और प्राकृतिक जैव विविधता को संरक्षित किया जाएगा। यह सफारी आधुनिक तकनीक से युक्त होगी और इसमें ईको-फ्रेंडली टूरिज्म की विशेष व्यवस्था की जाएगी। अरावली की पहाड़ियों में सफारी के विकास से युवाओं को रोजगार मिलेगा।

बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग युवक की मौत दूसरा गंभीर

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| जींद

- बाइक सवार बदमाशों ने पोली के पास दिया वारदात को अंजाम

गांव पोली के निकट जींद रोहतक नेशनल हाईवे पर रविवार दे रात को बाइक सवार बदमाशों ने दो युवकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिसमें एक युवक की पीजीआई रोहतक में मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवक पर लगभग एक दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। जुलाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव राजपुरा भैंण निवासी ऋषि 28 साल गांव का ही मनीष 21 साल रविवार देर रात को दोनों गांव पोली के निकट जींद रोहतक नेशनल हाईवे पर नहर के निकट किसी जानकारी के खेत में बने कमरे में जा रहे थे। इस दौरान दो बाइकों पर सवार होकर आए बदमाशों ने दोनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिसमें ऋषि को कई गोलियां लगी और खून से लथापथ होकर हाईवे पर गिर गया। जबकि मनीष को भी गोली लगी', लेकिन वह भाग निकलने में कामयाब हो गया। जिसकी सूचना उसने अपने साथियों को दी। राहगीरों के सहयोग से दोनों को पीजीआई रोहतक ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने ऋषि को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर जुलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातो का जायजा लिया। मृतक ऋषि पर दर्जन भर अपराधिक मामले दर्ज थे।

सम्मान समारोह में पहुंचे कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष

हरियाणा का खिलाड़ी ही जीतेगा ओलंपिक में कुश्ती में गोल्ड मेडल: बृजभूषण शरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। पदक विजेता रचना परमार को सम्मानित करते बृज भूषण शरण व अन्य।

गत दिनों वियतनाम में एशियन चैंपियनशिप के अंडर 17 में गोल्ड मेडल विजेता रचना परमार के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। राजपूत सभा द्वारा बौद कलां गांव में आयोजित समारोह में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण, सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक सुनील सांगवान व ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त से शिरकत की। बृज भूषण शरण ने कहा कि उन्होंने कुश्ती के लिए अपना जीवन लगा दिया। कुश्ती को शिखर पर पहुंचाने के लिए हमेशा प्रयास किया। इस दौरान कई बार विवादों का समाना करना पड़ा। बृज भूषण ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि ओलंपिक में कुश्ती को भारत को गोल्ड मेडल नहीं मिला है। मुझे उम्मीद है कि हरियाणा का कोई लाल ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर यह सूखा समाप्त करेगा और इसकी जिम्मेदारी पहलवान योगेश्वर दत्त की होगी। उन्होंने रचना परमार को बधाई देते हुए कहा कि बेटी का भविष्य उज्जवल है। कड़ी मेहनत के बल पर एक दिन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। ओलंपिक मेडलिस्ट योगेश्वर दत्त ने कहा कि जब बृजभूषण सिंह अध्यक्ष बने तब भारतीय कुश्ती को नया आयाम मिला। पहले खिलाड़ी अपने खर्चे पर अभ्यास करते थे, लेकिन इन्होंने संघ के खर्चे पर विदेश यात्रा का लाभ दिया। जिससे कुश्ती को नई ऊंचाइयां मिली।

भारतीय वायु सेना/INDIAN AIR FORCE

JOIN INDIAN AIR FORCE AS AGNIVEERVAYU

INDIAN AIR FORCE INVITES ONLINE APPLICATIONS FROM UNMARRIED INDIAN MALE AND FEMALE CANDIDATES FOR SELECTION TEST FOR AGNIVEERVAYU INTAKE 02/2026 UNDER AGNIPATH SCHEME

Online Registration dates: From 1100 Hr on 11 July 2025 to 2300 Hr on 31 July 2025.
Online Examination dates: From 25 September 2025 onwards.
Web portal for registration: https://agnipathvayu.cdac.in
Date of Birth Block
Born between 02 July 2005 and 02 January 2009 (both dates inclusive)
Educational Qualification:
1. Science Subjects.

Candidates should have passed **Intermediate/ 10+2/ Equivalent examination** with **Mathematics, Physics and English** from Education Boards recognised by Central, State and UT with minimum 50% marks in aggregate and 50% marks in English.

OR

Passed **Three years Diploma Course in Engineering** (Mechanical/ Electrical/ Electronics/ Automobile/Computer Science/ Instrumentation Technology/ Information Technology) from Central, State and UT recognised Polytechnic institute with 50% marks in aggregate and 50% marks in English in Diploma Course (or in Intermediate/ Matriculation, **if English is not a subject in Diploma Course).**

OR

Passed **Two years Vocational Course with** non-vocational subject viz. Physics and Mathematics from Education Boards recognised by Central, State and UT with 50% marks in aggregate and 50% marks in English in Vocational Course (or in Intermediate/ Matriculation, if English is not a subject in Vocational Course).

2. Other than Science Subjects.

Passed Intermediate/ 10+2/ Equivalent Examination in any stream/ subjects from Education Boards recognised by Central, State and UT with minimum **50% marks in aggregate and 50% marks in English.**

OR

Passed two years Vocational Course from Education Boards recognised by Central, State and UT with minimum 50% marks in aggregate and 50% marks in English in Vocational Course (or in Intermediate/Matriculation if **English is not a subject in Vocational Course).**

Note. Candidates eligible for Science Subjects examination (Including Intermediate/ 10+2/ three years diploma course in engineering or two years vocational course with non-vocational subjects of Physics and Maths) are also eligible for Other than Science Subjects and would be given an option of appearing in both Science Subjects and Other than Science Subjects examination in one sitting while filling up the online registration form.

Registration & Examination Fee: Rs. 550/- plus GST.

FOR DETAILED INFORMATION ON ENTRY LEVEL QUALIFICATION, MEDICAL STANDARDS, TERMS & CONDITIONS, INSTRUCTIONS FOR FILLING UP ONLINE APPLICATIONS AND REGISTRATION FOR AGNIVEERVAYU INTAKE 02/2026 LOG ON TO https://agnipathvayu.cdac.in

Scan QR code for information and registration of application

CBC 10803/11/0006/2526

पिंजौर व मोरनी में पर्यटन के विकास पर खर्च होंगे 92 करोड़ : शर्मा

पंचकूला। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा पर्यटन क्षेत्र में सभी संभावनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी में पर्यटन विकास के लिए 92 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होगी। उन्होंने अगले साल मैंगो मेले को और भव्य बनाने की भी घोषणा की। रविवार को 32वें मैंगो मेले के समापन अवसर पर मुख्यातिथि विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि आरती सिंह राव पहुंचे

32वें मैंगो मेले के समापन में पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा

और आम प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दोनों कैबिनेट मंत्री मोदी आम व नायब आम देकर हतप्रभ रह गए। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या उपरांत अपने संबोधन में विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि तीन दिवसीय 32वां मैंगो मेले में इस बार रिकार्डतोड़ अढ़ाई लाख पर्यटकों की भीड़ पहुंची और पहली बार आम प्रशंसको के लिए लगाए गए बिक्री स्टाल पर आम उत्पादकों को 25 लाख रुपए की बिक्री हुई। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करते हुए मैंगो मेले के दिनों में बढ़ोतरी करने और विलुप्त होती जा रही आम प्रजातियों को बचा रहे किसानों के प्रोत्साहन के लिए योजना बनाने की मांग की जाएगी। पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर व टिक्कर ताल, मोरनी को स्वदर्शन 2.0 योजना के तहत 92 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा।

राशिफल

मेष — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं असंतोष के भाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के विवादों से बचने का प्रयास करें।

तुला — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक — घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु — पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर — परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ — परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन — वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

रतिया: घर में घुसे दुर्लभ प्रजाति के सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया

- पशु क्रूता निवारण कमेटी के सदस्य नवजोत ढिल्लों ने दिखाई तत्परता

रतिया। शहर के पुराने सिटी थाना के पास स्थित एक घर में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वहां एक दुर्लभ प्रजाति का सांप देखे जाने की सूचना मिली। बताया जा रहा है कि सांप घर के एक कोने में टूटे स्थान के पास बने चूहे के बिल में जा छुपा। घरवालों और पड़ोसियों ने खुद उसे निकालने का प्रयास किया, पर सफल नहीं हो पाए। घटना की जानकारी मिलते ही पशु क्रूरता निवारण कमेटी, फतेहाबाद के सदस्य और पर्यावरण कार्यकर्ता नवजोत सिंह ढिल्लों को मौके पर बुलाया गया। ढिल्लों तुरंत टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

रतिया। सांप को पकड़ते रेस्क्यू टीम सदस्य नवजोत ढिल्लो।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 5920

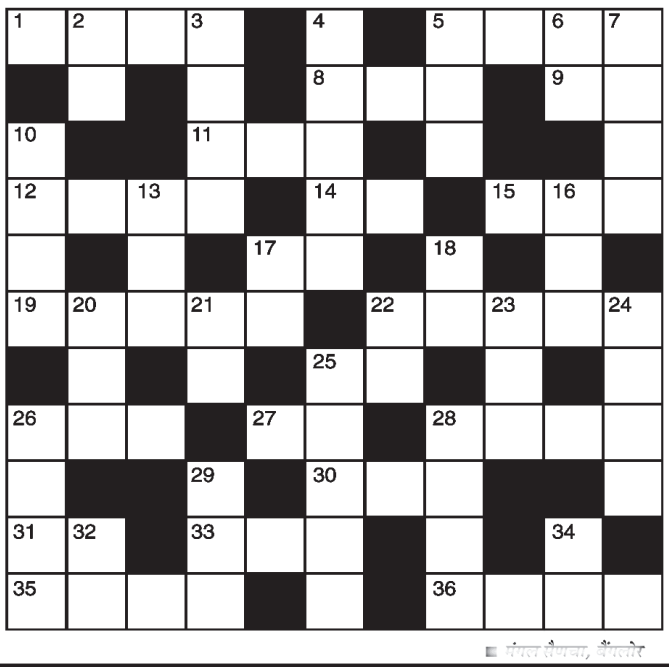

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -5919 का हल

आ	ला	क	मा	न	■	■	क	मी	ज	■
रा	ल	■	न	■	श	प	थ	■	मा	मा
म	■	■	ध	नि	क	■	न	■	■	लि
दे	ह	दा	न	■	■	अ	■	ल	ल	क
ह	■	खि	■	बे	शु	मा	र	■	ह	■
■	सा	ल	■	ल	■	न	■	सु	र	■
■	हि	■	ब	गा	व	त	■	र	■	हा
ज	ल	न	■	म	■	■	अ	भि	मा	नि
ग	■	■	चु	■	रा	ज	न	■	■	का
त	र	■	ना	ह	क	■	ब	■	चा	र
■	ब	हा	व	■	■	म	न	मो	ह	क

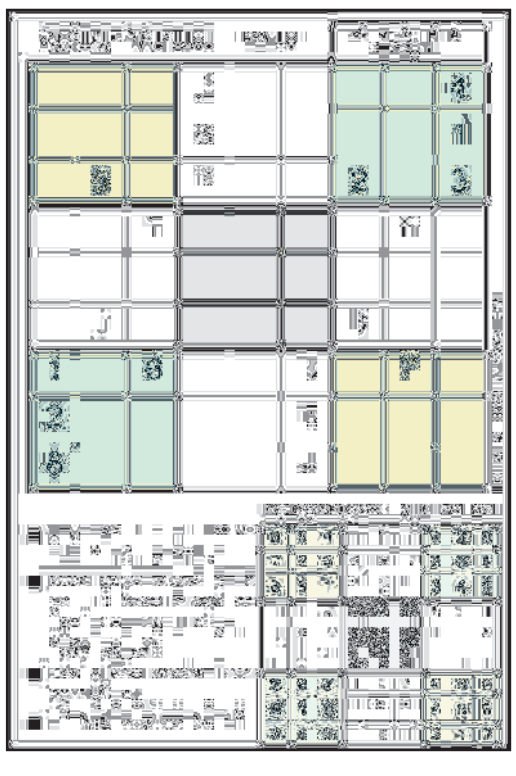

फ्रांसीसी खुफिया रिपोर्ट में दावा: राफेल लड़ाकू विमान को बदनाम करने के लिए 'दुष्प्रचार' कर रहा है चीन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस की सैन्य और खुफिया एजेंसियों ने अपनी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि चीन अपने दूतावासों के जरिए फ्रांस के लड़ाकू विमान राफेल फाइटर जेट के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की क्षमता पर संदेह पैदा करने की कोशिश कर रहा है। खासकर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के बाद इस दुष्प्रचार में तेजी आई है। चीन, राफेल लड़ाकू विमानों के मुकाबले अपने लड़ाकू विमानों को बेहतर बनाकर पेश कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के दूतावासों में तैनात डिफेंस अताशे विभिन्न देशों को राफेल लड़ाकू जेट नहीं खरीदने पर जोर दे रहे हैं। खासकर इंडोनेशिया को मनाने की कोशिश हो रही है, जो राफेल जेट खरीदने पर विचार कर रहा है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष की आड़ में चीन फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमानों के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और इस काम में उसके दूतावास विभिन्न देशों को राफेल लड़ाकू विमान न खरीदने और चीनी जेट खरीदने के लिए मनाने

चीन निर्मित हथियारों के प्रदर्शन पर उठे सवाल?

पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई में भारत और पाकिस्तान के बीच भीषण संघर्ष हुआ था, जिसमें मिसाइलों और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। सैन्य विशेषज्ञ अब इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि पाकिस्तान के चीन में निर्मित हथियारों खासकर लड़ाकू विमानों ने भारत के फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के खिलाफ कैसा प्रदर्शन किया। पाकिस्तान का दावा है कि उसने भारत के पांच लड़ाकू विमान गिराए, जिनमें तीन राफेल जेट भी शामिल हैं। हालांकि फ्रांस के वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलेंजर ने कहा कि भारत ने संभवतः तीन लड़ाकू विमान खोए, जिनमें एक राफेल, एक सुखोई और एक मिराज 2000 शामिल है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर फैलाई जा रहीं फर्जी खबरें

चीन अपने लड़ाकू विमानों को बेचने के लिए कर रहा गलत प्रचार

फ्रांस के रक्षा निर्यात में राफेल अहम

फ्रांस ने अभी तक जितने भी देशों को राफेल लड़ाकू जेट बेचे हैं, उनमें पहली बार राफेल के निशाना बनने की बात सामने आई है। बेलेंजर ने कहा कि लड़ाकू विमान अगर गिरा है, तो इस बारे में उस देश से सवाल पूछा जाना चाहिए। फ्रांस के हथियार निर्यात में बड़ा हिस्सा राफेल और उससे जुड़े उपकरण हैं। यह फ्रांस का विभिन्न देशों से संबंध बेहतर करने का भी प्रमुख जरिया है। खासकर एशिया में, जहां चीन अपना दबदबा बढ़ा रहा है। हालांकि इन दिनों फ्रांस को चीन के दुष्प्रचार से जूझना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

यूबीटी के कई सांसद विधायक पार्टी छोड़ेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र के वरिष्ठ भाजपा नेता और मंत्री गिरीश महाजन ने दावा किया कि शिवसेना (यूबूटी) के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं, क्योंकि लोगों को अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। महाजन ने त्रिभाषा नीति पर विवाद के बीच उद्धव ठाकरे को 'पलटीबहादुर' बताते हुए उन पर अपरिपक्व व्यवहार का आरोप लगाया।

रोहतांग के समीप कार खाई में गिरी, 4 की मौत

रोहतांग। सड़क मार्ग पर राहनीनाला के समीप एक ऑल्टो कार नंबर एचपी 01 के -7850 गहरी खाई में गिरने से 4लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि एक की हालत गंभीर है।बताया जा रहा होटल का स्टाफ रोहतांग दर्रे की तरफ जा रहा था, लेकिन राहनीनाला के पास सभी हादसे का शिकार हो गए। मनाली थाना की पुलिस मौके रवाना हो गई है।

राजस्थान में सड़क दुर्घटना में 4 की गई जान

कोटा (राजस्थान)। राजस्थान के बारां जिले में कोटा-शिवपुरी राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर एक कार के खड़े पिकअप वाहन से टकरा जाने के कारण चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा शनिवार रात हुआ। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान सभी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का बदलेगा नाम

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग अब तेज हो गई है। कुछ दिन पूर्व दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन करने के मांग की थी। अब भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर करने की मांग की है।

अब तेलंगाना में 10 घंटे की शिफ्ट, हफ्ते में 48 घंटे काम

हैदराबाद। देश में सप्ताह में काम के घंटों को लेकर जारी बहस के बीच तेलंगाना सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कॉमर्शियल इकाइयों के लिए हर रोज 10 घंटे तक काम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पूरे सप्ताह में 48 घंटे काम करना होगा। सरकार ने 5 जुलाई कोआदेश जारी किया है। दुकानों और मॉल्स को इससे अलग रखा गया है।

बिहार चुनाव से पहले आयोग ने वोटरों को दी सहूलियत

लोग मतदाता सूची पुनरीक्षण में बिना दस्तावेज के जमा करा सकेंगे अपना गणना आवेदन

विशेष सर्वेक्षण अभियान चलाकर दस्तावेज लेने की प्रक्रिया होगी पूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बिना दस्तावेज के भी गणना फॉर्म जमा हो सकेगा। ऐसा करने वाले मतदाताओं का नाम भी मतदाता सूची के प्रारूप (ड्रॉफ्ट रोल) में शामिल कर लिया जाएगा। हालांकि, सत्यापन के दौरान जरूरी दस्तावेज बीएलओ के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। 26 जुलाई तक ऑनलाइन या ऑफलाइन ये गणना फॉर्म हर हाल में मतदाताओं को भरकर जमा करना अनिवार्य है। आयोग ने ताजा फैसले से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं को बड़ी राहत दी है। शनिवार को बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने कहा कि मतदाता तत्काल केवल गणना फॉर्म ही भरकर बीएलओ के पास जमा करा दें, उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल हो जाएगा । 2003 के बाद मतदाता बनने वाले गणना फॉर्म को सही-सही भरकर, अपनी तस्वीर चिपका कर और अपना हस्ताक्षर कर बीएलओ के पास तय समय में जमा करा दें।

26 जुलाई तक ऑनलाइन या ऑफलाइन जमा करने की दी छूट

4.96 करोड़ वोटर सत्यापित

गणना फॉर्म प्राप्त कर बीएलओ तत्काल उसे ऑनलाइन अपलोड कराएं। अब राज्य के 2003 के मतदाता सूची में अंकित कुल 7.90 करोड़ मतदाताओं में 4.96 करोड़ को पहले से ही कोई दस्तावेज देने की बाध्यता नहीं है।

3 करोड़ मतदाताओं को मिलेगी राहत

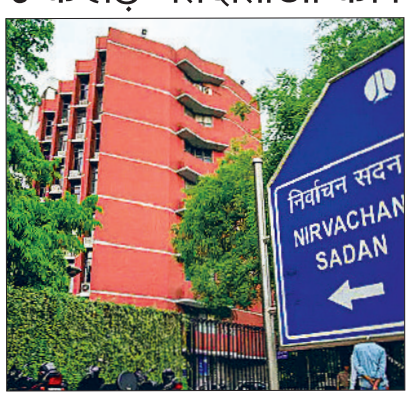

गणना फॉर्म प्राप्त कर बीएलओ तत्काल उसे ऑनलाइन अपलोड कराएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के 2003 के मतदाता सूची में अंकित कुल 7.90 करोड़ मतदाताओं में 4.96 करोड़ को पहले से ही कोई भी दस्तावेज देने की बाध्यता नहीं है। शेष करीब 3 करोड़ मतदाताओं से ही दावा-आपत्ति के दौरान विशेष सर्वेक्षण अभियान चलाकर दस्तावेज लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ न्यायालय में कई याचिकाएं

नई दिल्ली/पटना (भाषा)। चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद उस समय और गहरा गया जब तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मनोज झा और कई गैर-सरकारी संगठनों ने निर्वाचन आयोग के आदेश को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि आयोग का यह आदेश संविधान का उल्लंघन करता है। हालांकि निर्वाचन आयोग (ईसी) ने रविवार को एक बयान जारी करके स्पष्ट किया कि उसने पुनरीक्षण प्रक्रिया पर अपने निर्देशों में कोई बदलाव नहीं किया है। आयोग का यह स्पष्टीकरण कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं कुछ अन्य के सोशल मीडिया पोस्ट की पृष्ठभूमि में आया है। खरगे ने कहा

- ईसी ने कहा- प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं

मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं महुआ

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ अब तृणमूल कांग्रेस की नेता और सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मोइत्रा ने भारत निर्वाचन आयोग के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने कहा बंगाल में भी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराए ईसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का रविवार को स्वागत करते हुए कहा कि इसी तरह की कवायद बंगाल में भी करनी चाहिए।

खेमका की हत्या पर राहुल ने साधा निशाना

भाजपा-नीतीश ने बिहार को भारत की 'क्राइम कैपिटल' बना दिया

नई दिल्ली। पटना में बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। इससे पहले तेजस्वी यादव ने खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगा दिया था। राहुल ने लिखा कि आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। उन्होंने लिखा कि 'हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का, जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।

डॉ. मुखर्जी को शत- शत नमन

पीएम मोदी, बिरला समेत कई दिग्गजों ने उनके योगदान को याद किया, श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर देश के दिग्गजों ने श्रद्धांजलि दी है । डॉ. मुखर्जी के महान योगदान को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने देश के सम्मान, गरिमा और गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

पीएम मोदी ने डॉ. मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें राष्ट्र का अमर सपूतबताया तथा भारत की एकता, गौरव और विकास के लिए उनके आजीवन समर्पण की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श और सिद्धांत विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य हैं। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो क्लिप भी साझा की। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के सपूत डॉ. मुखर्जी कहते थे कि कोई भी राष्ट्र अपनी ऊर्जा से ही सुरक्षित रह सकता है। उन्हें देश के संसाधनों और देश के सामर्थ्यवान लोगों पर अटूट विश्वास था। पीएम मोदी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और भारत की परमाणु नीति को आकार देने में उनका योगदान अपने समय से बहुत आगे था। मैं डॉ. मुखर्जी को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनकी स्मृति को नमन करता हूं। इसी तरह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी उनको नमन किया। इसके अलावा भाजपा के कई नेताओं ने भी उनके योगदान को याद किया।

मंत्री वैष्णव और सीएम रेखा ने भी दी श्रद्धांजलि

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और अन्य ने रविवार को नई दिल्ली में भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गृहमंत्री शाह बोले

डॉ. मुखर्जी न होते तो कश्मीर हमारा न होता

गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के आणंद में श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि अगर मुखर्जी न होते तो कश्मीर कभी भारत का अभिन्न हिस्सा न बन पाता। उन्होंने अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर को मिली विशेष स्थिति का विरोध किया और 'एक देश में दो प्रधान, दो निशान, दो विधान नहीं चलेंगे' का नारा दिया। शाह ने उनके बलिदान और योगदान को राष्ट्र के लिए अहम बताया।

पूर्व सीजेआई ने किया समर्थन

'एक साथ चुनाव कराना संविधान सम्मत', विधेयक पर चिंता जताई

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

एक साथ चुनाव का प्रावधान करने वाले विधेयक को लेकर गठित संसदीय समिति को पहले ही अपने विचार से अवगत करा चुके भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीशों ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' (ओएनओई) की अवधारणा की संवैधानिकता का समर्थन किया है, लेकिन निर्वाचन आयोग को दी गई शक्ति सहित विधेयक के विभिन्न पहलुओं को लेकर चिंता जताते हुए सुझाव भी दिए हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) रह चुके न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने संयुक्त संसदीय समिति को सौंपी अपनी राय में विपक्ष की इस आलोचना को खारिज कर दिया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव का एक साथ होना संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है।

ईसी की शक्तियों पर भी उठाए सवाल

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि संविधान में कहीं भी राष्ट्रीय और राज्य चुनावों को अलग-अलग कराने की बात नहीं कही गई है। हालांकि, संसदीय समिति को सौंपी गई राय के अनुसार, प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन कानून में निर्वाचन आयोग को 'विवेक के प्रयोग के लिए कोई दिशानिर्देश निर्धारित किए बिना' दी गई 'व्यापक शक्तियों' पर सवाल उठाने में वह एक अन्य पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के साथ शामिल हो गए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ और एक अन्य पूर्व सीजेआई जे एस खेहर 11 जुलाई को भाजपा के सांसद चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश होने वाले हैं। ताकि सदस्य उनसे विधेयक के प्रावधानों पर बातचीत कर सकें और अपने प्रश्नों पर उनके विचार जान सकें।

जबलपुर के 40 मंदिरों में चिपकाए गए

श्रद्धालुओं से 'सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त' परिधान पहनने के आग्रह वाले पोस्टर

भाषा ▶▶ जबलपुर

मध्यप्रदेश के जबलपुर में 40 मंदिरों में श्रद्धालुओं से 'सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त' कपड़े पहनने का आग्रह करने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। महाकाल संघ इंटरनेशनल बजरंग दल ने ये पोस्टर चिपकाए हैं। उसके प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि श्रद्धालुओं को 'जींस', 'टॉप', 'मिनी स्कर्ट', 'नाइट सूट' और 'शॉर्ट्स' नहीं पहनने चाहिए तथा महिलाओं एवं लड़कियों को अपना सिर भी ढंकना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे अन्यथा नहीं लिया जाना चाहिए। भारतीय संस्कृति को संरक्षित करना हम पर निर्भर है। मैं महिलाओं से अपील करता हूं कि वे मंदिरों में जाते समय सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त कपड़े पहनें।"

पटना सनातन महाकुंभ में बोले पं. धीरेंद्र

भारत हिंदू राष्ट्र बना तो देश का पहला राज्य बिहार होगा

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में सनातन महाकुंभ 2025 का भव्य आयोजन शुरू हो चुका है। इस सनातन महाकुंभ में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कुछ लोग तिरंगे पर चांद चाहते हैं, लेकिन ऐसा कभी होने वाला नहीं है। हमारे धर्म पर घात हुआ तो हमलोग प्रतिघात करेंगे।

हमारा एक ही सपना भगवा-ए-हिंद बनाना

पंडित शास्त्री ने कहा कि बहुत सी ताकतें देश को गजवा-ए-हिंद बनाना चाहती हैं, लेकिन हमारा एक ही सपना है भगवा-ए-हिंद। धीरेंद्र शास्त्री यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि हमारे धर्म पर घात हुआ तो प्रतिघात करूंगा। हमें मुसलमान, ईसाई से कोई दिक्कत नहीं। जातियों के नाम पर लड़ाने वाले हिंदुओं से दिक्कत। धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि अगर भारत हिंदू राष्ट्र होगा तो पहला राज्य बिहार होगा।

केंद्रीय मंत्री शाह ने सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से की अपील

प्रौद्योगिकी,जनहित को 'कार्य संस्कृति' का अटूट अंग बनाएं

एजेंसी ▶▶ आणंद

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से अपील की कि वे सफलता प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी का उपयोग और सहकारी संगठनों के सदस्यों के हितों को अपनी कार्य संस्कृत में सर्वोच्च स्थान दें। सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर शाह ने यहां अमूल डेयरी के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और सदस्यों (सहकारी क्षेत्र के किसानों और समितियों) को साथ रखना अहम है। शाह ने कहा कि प्रौद्योगिकी के बिना सहकारी समितियां समृद्ध नहीं हो सकतीं।

सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस पर अमूल डेयरी के परिसर में बोले

2 लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियां

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में दो लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसी) का पंजीकरण, त्रिभुवन, पहले राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव रखी गई है और डेयरी क्षेत्र में 3 नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों का निर्माण किया गया है। शाह ने इस क्षेत्र से 5 'पी' - 'पीपुल्स' (जनता), 'पीएसी', 'प्लेटफॉर्म' (मंच), 'पॉलिसी' (नीति) और 'प्रोस्पेरिटी' (समृद्धि) पर ध्यान देने का आग्रह किया।

3 सिद्धांतों को कामकाज में शामिल करें

शाह ने सहकारी समितियों से 3 सिद्धांतों को अपनी कार्य संस्कृति में शामिल करते हुए जम्मू-कश्मीर से लेकर 'कामाख्या' और देश के हर गांव में इनका प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुजरात में नमक सहकारी समिति की शुरुआत सहित कार्यक्रम के दौरान शुरू की गई दस पहलों से अमूल की तरह एक मजबूत ब्रांड का निर्माण होगा।

4 साल पहले रखी गई इसकी नींव

शाह ने कहा कि 4 साल पहले मोदी ने 'सहकारिता से समृद्धि' के मंत्र के साथ सहकारिता मंत्रालय की नींव रखी थी, जिससे सहकारी व्यवस्था में नई जान आई। उन्होंने कहा कि दुग्ध सहकारी संस्था अमूल का वार्षिक कारोबार अगले साल 80,000 करोड़ से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। शाह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

चिंतन

ट्रंप से अदावत में अरबपति मस्क का राजनीतिक उदय

राजनीति

उमेश चतुर्वेदी

दोस्ती की बुनियाद अगर स्वार्थ और अहं पर टिकी हो तो इसे अदावत में बदलते देर नहीं लगती है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और एलॉन मस्क की दोस्ती भी कुछ ऐसी ही साबित हुई है, जो अब टकराव में बदल गई है। राष्ट्रपति ट्रंप के बर्ताव व फैसले से खिन्न एलॉन मस्क सियासी पिच पर कूद गए हैं। उन्होंने अमेरिका में नई राजनीतिक पार्टी 'अमेरिका पार्टी'की घोषणा की है। मस्क ने अपनी पार्टी के उद्देश्य को लेकर कहा है कि दो-दलीय व्यवस्था को खत्म कर जनता की आवाज़ को मजबूती देना है। अमेरिका में अरबपति व्यवसायी एलॉन मस्क का यह राजनीतिक उदय है। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में जब ट्रंप अपना राजनीतिक अभियान चला रहे थे तो मशहूर एलॉन मस्क ट्रंप के सारथी की भूमिका निभा रहे थे। ट्रंप ने अपने चुनावी कैंपेन में मस्क का भरपूर सहयोग लिया, साधन से भी और धन से भी। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने रिटर्न गिफ्ट के तौर पर मस्क को अमेरिकी सरकार में शामिल भी किया और सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बना कर प्रशासनिक सुधार जैसी अहम जिम्मेदारी भी दी। मस्क की दिक्कत है कि वे एक अच्छे बिजनेसमैन हैं, स्टेट्समैन नहीं हैं। इसलिए उनके लिए ट्रंप के सभी फैसलों को राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में समझना आसान नहीं है। ट्रंप के महत्वाकांक्षी बिग ब्यूटीफुल बिल पर मस्क इतने खफा हुए कि वे ट्रंप सरकार से बाहर हो गए। बहरहाल, मस्क ने नई पार्टी बना कर अमेरिकी राजनीति में एक नए विकल्प का द्वार खोल दिया है। सवाल यह भी है कि दो दलीय अमेरिकी राजनीति में क्या किसी तीसरे दल की स्वीकार्यता होगी? अमेरिका के संविधान के अनुच्छेद II, खंड 1 के मुताबिक, अमेरिका में जन्म लेने वाले नागरिक ही अमेरिका के राष्ट्रपति बन सकते हैं। मस्क ने खुद सार्वजनिक रूप से बयां की है कि उनका जन्म अमेरिका में नहीं, वरन दक्षिण अफ्रीका में हुआ है। इस नियम के अनुसार वे खुद राष्ट्रपति तो नहीं बन सकते हैं, जब तक कि संविधान में संशोधन कर इस प्रावधान में बदलाव न किया जाए। मस्क अपनी किसी पत्नी या संतान या अपने किसी चहेते को राष्ट्रपति बनवा सकते हैं और वे अपनी पार्टी के जरिये ट्रंप की पार्टी की राह जरूर मुश्किल कर सकते हैं। ट्रंप मस्क को उनकी कंपनियों की सब्सिडी बंद करने व दक्षिण अफ्रीका भेजने की धमकी भी दे चुके हैं। राजनीति की शुरुआत अगर सकारात्मक मंशा से हो तो उसका परिणाम भी अच्छा होता है, लेकिन अगर शत्रुता या बदले की भावना से हो तो अच्छे परिणाम की उम्मीद कम रहती है। यूं भी अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में किसी तीसरे दल का भविष्य कभी लंबा नहीं रहा है। अनेक बार नई पार्टी सियासी मैदान में आई है, मगर केंद्रीय सत्ता का अंग नहीं बन सकी है। अमेरिकी जनमानस रिपब्लिकन और डेमोक्रटिक पार्टी के बीच ही घूमते रहे हैं। अतीत में, लिबरटेरियन, एलायंस, ग्रीन, बुल मूस, रिफॉर्म पार्टी, सोशलिस्ट, किसान-मजदूर, विस्कॉन्सिन प्रोग्रेसिव, कंजर्वेटिव, पॉपुलिस्ट, नेचुरल लॉ, पीस एंड फ्रीडम, अमेरिकन इंडिपेंडेंट, डिक्सीक्रेट स्टेट्स राइट्स आदि पार्टियां अस्तित्व में आईं, लेकिन कोई भी पार्टी अमेरिकी राजनीति में तीसरा विकल्प नहीं बन सकी। अब मस्क ने अमेरिकी राजनीति को बदलने के वास्ते तीसरा विकल्प बनने के लिए नई पार्टी बनाई है, यह कदम ठहरी हुई अमेरिकी राजनीति में एक कंकड़ जरूर है, लेकिन इस नए दल का राजनीतिक भविष्य अभी भविष्य के गर्त में है। मध्य टर्म और वर्ष 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकन पार्टी की असली परीक्षा होगी।

हिंदी विरोध के जरिए राष्ट्रीय मानस पर चोट

महाराष्ट्र की धरती पर हिंदी भाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदी भाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए।

इसे राजनीतिक विद्रूप ही कहेंगे कि हिंदी को राजभाषा बनाने का विचार देने वाली मराठी माटी पर ही हिंदी भाषियों को अपमानित किया जा रहा है। महाराष्ट्र की धरती पर हिंदी भाषियों को अपमानित करने में राजनीति के दो चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। एक तरफ अपमानित करने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे है तो दूसरी तरफ राज्य की सत्ता है। हिंदी भाषियों को अपमानित करने वाली राजनीति का मकसद हिंदी विरोध पर मराठी मानुष की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अपना वोट बैंक मजबूत करना है तो दूसरी तरफ सत्ता और विपक्ष के एक हिस्से की राजनीति है, जो अपमानित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई इस डर से नहीं कर रही कि कहीं इससे मराठी मानुष की धारणा कमजोर ना हो जाए और उसके जरिए उसका अपना समर्थक आधार ना खिसक जाए। राजनीति की इस चक्करघिन्नी में निम्न मध्यवर्गीय या हाशिये वाला हिंदीभाषी समुदाय ही पिस रहा है। उसका अपराध यह है कि वह महाराष्ट्र में रहते हुए मराठी ना बोलकर हिंदी बोल रहा है।

हिंदी बोलने के लिए हिंदी भाषियों को प्रताड़ित करने वाली राजनीति का अतीत भी ऐसा ही रहा है। शिवसेना का उभार पिछली सदी के साठ के आखिरी वर्षों में मुंबई में मलयालम बोलने वालों को खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ। मनसे के कार्यकर्ता 2008-09 के दौरान तो केंद्रीय नौकरियों के लिए मुंबई में परीक्षाएं देने आए उत्तर भारतीय विशेषकर उत्तर प्रदेश-बिहार के छात्रों को खुलेआम पिटते रहे। उस समय की राज्य सरकार ने इस बदसलूकी के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने से बचती रही थी और आज की सरकार का भी कुछ वैसा ही रवैया है। मराठी मानुष का बोध महाराष्ट्र में इतना गहरा है कि सरकारें चाहें जिस भी दल की हो, इस मसले पर तकरीबन एक जैसा रुख अपनाने से परहेज नहीं करतीं। भारत की संपर्क भाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने का विचार देने में महाराष्ट्र की हस्तियों का बड़ा योगदान रहा है। लोकमान्य तिलक ने बंग-भंग के वक्त 1905 में वाराणसी की यात्रा की थी। वहां उन्होंने नागरी प्रचारिणी सभा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जो कहा था, उसे महाराष्ट्र की हिंदी विरोधी राजनीति को जानना चाहिए। तिलक ने कहा था, 'निःसंदेह हिंदी ही देश की संपर्क और राजभाषा हो सकती है। लोकमान्य अकेले मराठी मानुष नहीं हैं, जिन्होंने हिंदी को लेकर यह विचार दिया। 1960 से पहले आज का गुजरात राज्य भी महाराष्ट्र का ही हिस्सा था। 1880 में गुजराती कवि नर्मदाशंकर दवे उर्फ नर्मद कवि ने लोकमान्य से करीब चौथाई सदी पहले हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में आगे लाने का सुझाव दिया था। हिंदी को स्थापित करने की महात्मा गांधी की कोशिशों से भला कौन इनकार कर सकता है। 1918 में इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन को हर हिंदी प्रेमी जानता है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि गांधी जी ने 1917 में भरूच में आयोजित गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में पहली बार सार्वजनिक तौर पर हिंदी की ताकत को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा था, 'भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है।' हिंदी के प्रचार को राष्ट्रीय कार्यक्रम मानने वाले काका कालेलकर भी मराठी भाषी

ही थे। सतारा में जन्मे कालेलकर ने 1938 में कहा था, 'राष्ट्रभाषा प्रचार हमारा राष्ट्रीय कर्म है।' रचनात्मक आंदोलनकारी और गांधी जी के शिष्य विनोबा भी ताजिंदगी हिंदी के संघर्षरत रहे। उन्होंने हर भारतीय भाषा को एक-दूसरे के करीब लाने के लिए अनूठा सुझाव दिया था। उन्होंने हर भाषा से नागरी लिपि अपनाने का सुझाव दिया था। सिर्फ राजनीति ही नहीं, पत्रकारिता जगत की मराठी भाषी हस्तियों ने भी हिंदी को स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाई है और साहस दिखाया है। हिंदी पत्रकारिता आज जिस मुकाम पर है, उसमें बड़ा योगदान मराठी भाषी पत्रकारों और लेखकों का भी है। माधव राव सप्रे, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, रामकृष्ण खाडिलकर, लक्ष्मण नारायण गर्दे जैसे पत्रकारों ने हिंदी को नई शैली में गढ़ा, उसके शब्द गढ़े, और उसे ऊंचाई दी। हिंदी इन मराठी भाषी महात्मनों की शुक्रगुजार है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से निकले धर्मयुग ने दशकों तक हिंदीभाषी पाठकों के दिलों पर राज किया। ऐसे महाराष्ट्र की धरती पर अगर हिंदी बोलने वालों का अपमान होना दुखद ही कहा जाएगा। हिंदी विरोध की ग्रंथि तमिलनाडु में आजादी के पहले से ही रही है, जिसका संक्रमण कर्नाटक तक पहुंचा है। कर्नाटक रक्षण वेदिके ने 2017 में हिंदी बेड़ा अभियान यानी हिंदी विरोधी अभियान चलाया। साल 2019 में हिंदी दिवस न मनाने के लिए भी राज्य में अभियान चला। शुरू में इन विरोध प्रदर्शनों को बड़ा समर्थन नहीं मिला। राजनीति और मीडिया के हलकों में इसकी सुरसुरी दिखी। ऐसे आंदोलनों का असर बाद में पता चलता है। जब विरोध की वैचारिकी के असर में जमीनी स्तर की सोच बदलने लगती है। एक राष्ट्रीयकृत बैंक की स्थानीय शाखा के प्रबंधक से जबरदस्ती हिंदी बोलने के लिए हुज्जत करने का दृश्य हो या फिर किसी ऑटो वाले का किसी हिंदी भाषी लड़की को थप्पड़ मारना, कर्नाटक में हिंदी विरोधी आंदोलन की जमीनी परिणति ही कहा जाएगा। निजाम का शासन कर्नाटक के उत्तरी हिस्से में रहा। दिल्ली सल्तनत के बादशाह मोहम्मद तुगलक ने 1327 ईस्वी में दिल्ली से महाराष्ट्र के दौलताबाद में अपनी राजधानी लेकर गया था, जिसे आज का महाराष्ट्र देवगिरि के नाम से जानता है। उसके साथ भी हिंदी वहां तक पहुंची थी। महाराष्ट्र का विदर्भ इलाका राज्य पुनर्गठन से पहले मध्य प्रांत और बरार का हिस्सा रहा। इस वजह से विदर्भ भी मोटे तौर पर हिंदी के प्रभाव वाला राज्य है। शायद यही वजह रहा कि महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद नहीं रहा। विवाद की वजह अब मनसे और शिवसेना की राजनीति बनी है। इसका कारण नई शिक्षा नीति का वह प्रावधान है, जिसके तहत प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषायों के जरिए शिक्षा देने का प्रावधान है। जब प्राथमिक स्तर पर हिंदी में पढ़ाई कराने का आदेश आया तो राज्य की राजनीति में अपनी जगह खोज रहे शिवसेना-उद्धव और मनसे को हिंदी विरोध में ही अपना भविष्य नजर आया। एकनाथ शिंदे के अलग होने के बाद से शिवसेना-उद्धव भी परेशान है और शिवसेना से अलग होने के बाद से मनसे प्रमुख राज ठाकरे अपना राजनीतिक वजूद की खोज में हैं। दिलचस्प यह भी है कि अतीत में सत्ता और उत्तराधिकार के चलते अलग राह चुनने वाले दोनों चचेरे भाई उद्धव और राज एक कश्ती पर सवार होने की तैयारी में हैं और उसके लिए उन्होंने हिंदी विरोध की नाव तैयार की है। हिंदी को संपर्क भाषा इसलिए स्वीकार किया गया, क्योंकि वह देश को जोड़ने की कुव्वत रखती है। जबकि आज की राजनीति अपनी स्थानीय भाषाओं के नाम पर जिस भावना को फैला रही है, उससे देश का मानस बंटेगा..मानस बंटेगा तो देश में विघटन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिल सकता है। राजनीति चाहे जिस पक्ष की हो, उसे इस नजरिए से हिंदी के विरोध को देखना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

जाति का मुद्दा

डॉ. चन्द्र त्रिखा

सनातन की मर्यादा को तोड़ते कथावाचक विवाद

किसी भी विषय को लेकर विवादों का सिलसिला धीरे-धीरे हमारे देश में 'राष्ट्रीय हॉबी' बनता जा रहा है। कई बार ऐसा भी लगता है कि देश के कुछ मीडिया-संस्थान व कुछ 'बैठे ठाले' नेतागण, विवादों का उत्पादन करने में ही व्यस्त रहते हैं। 'विवादों' के सिलसिले धीरे-धीरे एक धंधा बनते जा रहे हैं। नया विवाद कथावाचन पर है। इन दिनों 'कथावाचन' ज्ञान-प्राप्ति का साधन मात्र नहीं रहा। कुछेक कथावाचकों का तो शुल्क ही 12 लाख से 20 लाख रुपये तक तय है। मगर इस शुल्क के साथ जाति का सवाल पहले नहीं था। चलिए थोड़ा सा कथावाचन की परंपरा पर भी दृष्टि डाल लेते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार भारतीय परिवेश में महर्षि वेद व्यास पहले कथावाचक थे। उन्हें ही महाभारत और श्रीमद्भागवत का रचनाकार माना जाता है। मान्यता यही है कि संसार में सबसे पहले गणेश जी ने कथा सुनी थी और उसे लिपिबद्ध भी किया था। उन्हें ब्रह्माजी के आदेश पर महर्षि वेद व्यास ने कथा सुनाई थी। वैसे पौराणिक कला में ऋषि-मुनि अपने आश्रमों में या वनों में अपने शिष्यों को कथा सुनाते थे। तब कथा का उद्देश्य 'लोक कल्याण' होता था। उसके लिए ऋषि-मुनि कोई शुल्क भी नहीं लेते थे। अब कथावाचन 'इवेंट मैनेजमेंट' का एक विषय है। भव्य मंडप सजते हैं। कथावाचकों के शुल्क इन 'इवेंट्स' के बजट का मुख्य भाग होते हैं। इस समय पूर्व राजनीतिज्ञ कुमार विश्वास सबसे महंगे कथावाचक माने जाते हैं। अन्य चर्चित एवं महंगे कथावाचकों में स्वामी अवधेशानन्द जी, बागेश्वर-धाम के बाबा धीरेंद्र कुमार शास्त्री, पंडित देवकीनंदन कुमार, आचार्य अनिरुद्धाचार्य, मोरारी बापू, भोले बाबा उर्फ नारायण साकार, जया किशोरी, बाबा रामदेव, देवी चित्रलेखा, आदि का नाम शामिल है। अब थोड़ी चर्चा 'व्यास पीठ' के बारे में भी। यह पीठ उत्तरप्रदेश के सीतापुर जिले में नैमिषारण्य तीर्थ पर स्थित है। यहीं पर महर्षि वेद व्यास ने महाभारत की रचना की थी। वहीं व्यास को समर्पित एक मंदिर भी है। हाल ही का विवाद कथावाचकों की जाति को लेकर आरंभ हुआ है। इस समय में इटावा के कथावाचकों के मामले में उत्पन्न विवाद मीडिया में भी और राजनीतिक दलों में भी चर्चा एवं आरोपों-प्रत्यारोपों तक जा पहुंचा है। इटावा में यादव जाति से आने वाले आचार्य मुकुट मणि यादव और संत सिंह यादव का आरोप है कि उनके ब्राह्मण यजमान ने जाति के आधार पर उनसे मारपीट की। तब से यह बहस जारी है कि कथावाचन का अधिकार किसे है। काशी की विद्वत परिषद सरीखी संस्था का कहना है कि भागवत कथा सुनने, सुनाने का अधिकार सभी हिन्दुओं को है, जबकि इन दिनों खबरों में छाए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि 'सभी जातियों को कथा सुनाने का अधिकार केवल ब्राह्मणों के पास है मगर किसी भी जाति का व्यक्ति अपनी जाति के लोगों को भागवत कथा सुना सकता है।' अब इस विवाद में समाजवादी पार्टी के नेतागण भी सक्रिय हो गए हैं।

राजनीति की रोटियां सेंकने की तैयारी भी पूर्ण है। कुछेक कथावाचक यादव हैं तो कुछेक दलित भी। अधिक छानबीन चली तो हो सकता है एकाध मुस्लिम भी नाम बदलकर इस सूची में शामिल दिखे। मगर यह तो तय है कि कभी कांवड़-यात्रा को लेकर तो कभी धर्म-परिवर्तन को लेकर विवादों के बवंडर उठते रहते हैं। अगले चुनावों में इनमें से कुछ कथावाचकों को चुनाव-प्रचार में उतारने की योजनाएं भी चल रही हैं। कोई बड़ी बात नहीं कि कुछेक कथावाचकों को चुनावी मैदान में प्रत्याशी के रूप में भी उतार दिया जाए। वैसे यह तथ्य भी कम दिलचस्प नहीं कि कुछ कथावाचकों के अपने इलेक्ट्रॉनिक चैनल भी हैं। उन चैनलों पर कथावाचन के लिए प्रायोजक भी मिल जाते हैं और विज्ञापनदाता भी। कुछेक धार्मिक चैनलों को तो कुछ राज्य सरकारें भी संरक्षण व प्रोत्साहन देती हैं। ऐसा भी नहीं कि कथावाचन की परंपरा केवल सनातन धर्म तक ही सीमित है। इस सूची में सभी पंथों के धर्माचार्य शामिल हैं। जैन धर्म, बुद्ध धर्म, ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय, योग, ज्योतिष, तंत्र विद्या आदि से जुड़े कथावाचक भी हैं। पहले पहल साहित्य, कविगोष्ठी, कवि-सम्मेलन आदि के कार्यक्रम एवं 'स्लॉट' भी चले थे, लेकिन ज्यादा भाव नहीं मिल पाया। विवादों की उम्र ज्यादा नहीं होती। इस विवाद को अगले किसी विवाद के लिए स्थान खाली करना होता है। मगर इन विवादों का सबसे बड़ा अनुभव यह रहा है कि सुरूचिपूर्ण धारावाहिकों एवं कला-संगीत आदि से जुड़े कार्यक्रम हाशिए पर सरक चले हैं। सुरूचि का ना तो कोई वोट बैंक है, न उपयोगिता। अब हर तत्व, हर गतिविधि का चलन उपयोगिता से जुड़ चला है। चलिए प्रार्थना करें कि विवादों का धंधा सुरूचिपूर्ण ढंग से तो चले।

(लेखक वरिष्ठ साहियकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्नता बन जाए परमात्मा

संकलित

दर्शन

व्यक्ति का चित्त प्रसन्न रहे तो परमात्मा के दर्शन हो जाएं। यह प्रसन्नता ही परमात्मा बन जाए। मगर आज के भागदौड़ भरे और तनाव के दौर में यह प्रसन्नता आए कैसे? तमाम लोग पैसा कमाने की भागदौड़ में लगे हैं। कोई भी ग्रंथ हो, धर्म हो, अध्यात्म हो, पैसा कमाने के लिए मना नहीं करता, लेकिन धन कमाते हुए भी यदि प्रसन्नता नहीं है तो कहीं पर ठहर कर कुछ विचार तो करना ही चाहिए। कथाओं में एक बात मैं अक्सर कहता रहता हूं। हमारे ग्रंथों में अपनी कुल आय का दशांश निकालने पर बल दिया गया। दशांश यानी जो भी आप महीने में कमा रहे हैं, उसका दस प्रतिशत हिस्सा समाज के लिए, जरूरतमंद लोगों के लिए खर्च किया जाना चाहिए। आप दो लाख रुपये कमा रहे हैं तो 20 हजार निकाल दें। आपको लगता है कि 20 हजार ज्यादा हैं, आप नहीं निकाल पाएंगे तो एक लाख ही कमाएं। फिर दस हजार ही निकालने होंगे। आपाधापी में लोग प्रसन्न रहना तो जैसे भूलते जा रहे हैं। अध्यात्म में प्रसन्न रहने का बहुत महत्व बताया गया है। हर व्यक्ति को प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि प्रसन्नता परमात्मा तक पहुंचने का द्वार है। हमें प्रसन्न रहते हुए स्वयं की खोज करनी चाहिए। हम दूसरों को ढूंढ़ने और उनमें कमियां व खूबियाँ खोजने में लगे रहते हैं। एक नजर हमें खुद पर भी डालनी चाहिए। व्यक्ति स्वयं की खोज करें, समाज की सेवा करे और परमात्मा से प्रेम करे, उसका भजन करें, आज के समय में प्रसन्न रहने के लिए यह पर्याप्त है। बहुत ज्यादा साधनों में उलझने की आवश्यकता नहीं है।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

संकलित

प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्योधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्योधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

अंतर्मन

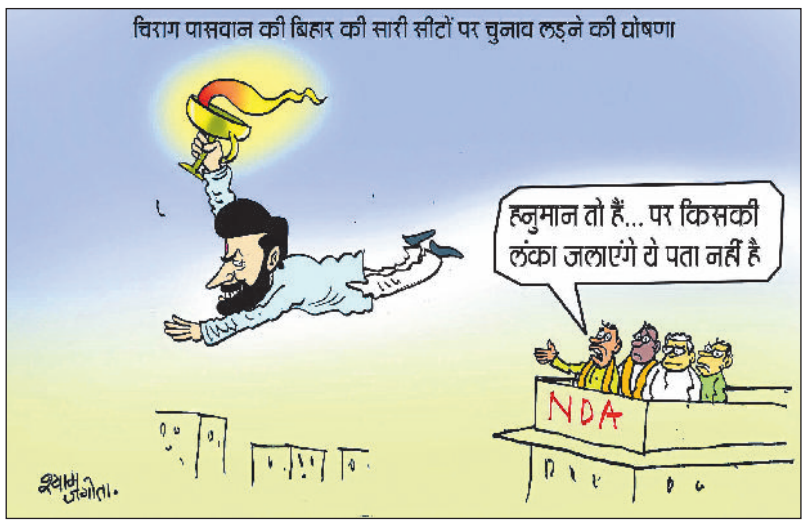

आज की पाती

मिलावट : मुंह में नहीं, जमीर में घुला जहर

मिलावट अब केवल खाने-पीने तक सीमित नहीं रही, यह हमारे सोच, संबंध और व्यवस्था तक में घुल चुकी है। मूंगफली में पत्थर हो या दूध में डिटर्जेंट, यह मुनाफाखोरी की संस्कृति का विस्तार है। उपभोक्ता की चुप्पी, सरकार की ढील और समाज की 'चलता है' मानसिकता ने इसे स्वीकार्य बना दिया है। मिलावट एक नैतिक संकट है, जो धीरे-धीरे शरीर ही नहीं, आत्मा को भी बीमार कर रहा है। जब तक ईमानदारी को समर्थन और सच्चाई को स्पेस नहीं मिलेगा, तब तक हर दाना शक के दायरे में रहेगा और हर निवाला जहर जैसा लगेगा। आज जो सबसे बड़ी मिलावट हो रही है, वह हमारी सोच, जमीर और व्यवस्था में हो रही है। हर उत्पाद के साथ-साथ संवेदनाएं, ईमानदारी व नैतिकता भी प्रदूषित हो रही हैं।

– प्रतीक केशरवानी, भाटापारा

ट्रेंड

हार्दिक शुभकामनाएं

मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ मिलकर परम पावन दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा को प्रेरित किया है। हम उनके निरंतर अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जयंती पर श्रद्धांजलि

एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान, नहीं चलेंगे...यह अखंड भारत के लिए अविराम तप करने वाले महापुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवन-प्रतिज्ञा थी। भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष,श्रद्धेय डॉ. मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि!

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

मतदान का अधिकार

निर्वाचन आयोग के सहयोग से भाजपा ने बिहार में करोड़ों लोगों के मतदान का अधिकार छीनने का जो 'मास्टर प्लॉन' बनाया था, उसमें अब भाजपा खुद फंसती नजर आ रही है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

ध्वस्त कानून व्यवस्था

बिहार की ध्वस्त कानून व्यवस्था व बेलगाम भ्रष्टाचार पर भी अगर किसी को गुस्सा नहीं आ रहा तो समझो उस इंसान का न्यायिक चरित्र एवं मानवीय संवेदना मर चुकी है। जात-धर्म के नाम पर सरकार की विफलता व जनभावनाओं को नजरअंदाज करना बिहार और बिहारियों के लिए घातक है।

-तेजस्वी यादव, राजद नेता

करंट अफेयर

राफेल की बिक्री प्रभावित करने को चीन के प्रयास

चीन ने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के बारे में भ्रम की स्थिति पैदा करने की जिम्मेदारी अपने दूतावासों को दी थी, ताकि इस विमान की प्रतिष्ठा और बिक्री को नुकसान पहुंचाया जा सके। फ्रांसीसी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखी गई फ्रांसीसी खुफिया सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के दूतावासों में रक्षा अधिकारियों (डिफेंस अताशे) ने राफेल की बिक्री को प्रभावित करने के लिए अभियान चलाया, जिसका उद्देश्य उन देशों को राजी करना था, जिन्होंने पहले से ही फ्रांस निर्मित लड़ाकू विमान का ऑर्डर दे दिया है - विशेष रूप से इंडोनेशिया- कि वे राफेल विमान न खरीदें तथा अन्य संभावित खरीदारों को चीन निर्मित विमान चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। फ्रांसीसी सेना के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए रिपोर्ट एपी के साथ साझा की। सैन्य अधिकारी और शोधकर्ता तब से इस बात का ब्योरा जुटा रहे हैं कि पाकिस्तान के चीन निर्मित सैन्य उपकरण विशेष रूप से युद्धक विमान और मिसाइलें - भारत द्वारा पाकिस्तानी लक्ष्यों को भेदने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियारों, विशेष रूप से फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के मुकाबले कैसा प्रदर्शन कर रहे थे।

ऑफ बीट

ऑनलाइन बातचीत में भावनाओं को पहचान सकता है एआई

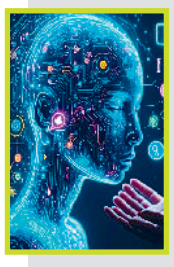

जब हम किसी दूसरे व्यक्ति को ईमेल या सोशल मीडिया पर कुछ लिखते हैं तो हम सीधे तौर पर कुछ नहीं कहते, लेकिन हमारे शब्द एक छिपे हुए अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। हम अक्सर यह भी उम्मीद करते हैं कि ये भावनाएं पाठकों तक पहुंच जायेंगी। लेकिन क्या होगा यदि दूसरी तरफ कोई कृत्रिम मेधा (एआई) प्रणाली हो, न कि कोई व्यक्ति? क्या एआई हमारे मूलपाठ में छिपे अर्थ को समझ सकता है? और अगर ऐसा है, तो इसका हमारे लिए क्या मतलब है? विषय-वस्तु विश्लेषण अध्ययन का एक क्षेत्र है जो पाठ में अंतर्निहित गहरे अर्थों और भावनाओं को उजागर करने से संबंधित है। उदाहरण के लिए, इस प्रकार का विश्लेषण हमें संचार में मौजूद राजनीतिक झुकाव को समझने में मदद कर सकता है जो शायद सभी के लिए स्पष्ट नहीं है। यह समझना कि किसी की भावनाएं कितनी तीव्र हैं या वे व्यंग्यात्मक हैं, किसी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, ग्राहक सेवा में सुधार लाने और यहां तक कि राष्ट्रीय स्तर पर लोगों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण हो सकता है। ये तो बस कुछ उदाहरण हैं। हम जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी इसके फायदों की कल्पना कर सकते हैं, जैसे सामाजिक विज्ञान अनुसंधान, नीति-निर्माण और व्यवसाय।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

जोकोविच के नाम जुड़ा एक और रिकार्ड, विंबलडन में 100वीं जीत दर्ज करने वाले बने दुनिया के तीसरे खिलाड़ी

एजेंसी ⏭ लंदन

नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

■ इससे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे

उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के

अगला मुकाबला एलेक्स डी. मिनाउर से होगा

जोकोविच ने कहा, 'मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं।' अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी. मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं।

माजचरजाक को हराकर खाचानोव क्वार्टर फाइनल में

लंदन। रूस के कारेन खाचानोव ने रविवार को यहां विबलडन के अंतिम 16 दौर के मैच में विश्व रैंकिंग में 109वें स्थान पर काबिज कामिल माजचरजाक को शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। सत्रहवीं वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचे माजचरजाक को सीधे सेटों में 6-4, 6-2, 6-3 से हराया। खाचानोव के सामने क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज या जॉर्डन थॉम्पथन की चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

आयरिश ओपन में दीक्षा संयुक्त 53वें स्थान पर

किल्डारे (आयरलैंड)। भारत की दीक्षा डागर तीसरे दौर में पार 73 के स्कोर से लेडीज यूरोपीय टूर के 2025 केपीएमजी महिला आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में तीन स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर हैं। दीक्षा ने अब तक तीन दौर में 75, 73 और 73 के स्कोर से कुल दो ओवर का स्कोर बनाया है। लेडीज यूरोपीय टूर की ऑर्डर ऑफ मेरिट में 10वें स्थान पर चल रही दीक्षा ने तीसरे दौर में दो बर्डी की लेकिन दो बोगी भी कर गईं।

चेबेट ने 5 हजार मीटर दौड़ में बनाया विश्व रिकॉर्ड

यूजीन। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे की ओर से बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

जापान के निशिमेटा से हारे श्रीकांत, चुनौती समाप्त

कैलगरी। कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत के किदांबी श्रीकांत जापान के केंटा निशिमोटो से 21-19, 14-21, 18-21 से हार गए। उनकी हार के साथ ही कनाडा ओपन में भारत की चुनौती समाप्त हो गई।

श्रीकांत ने पहला गेम 21-19 से जीतकर मुकाबले की मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन उनके जापानी प्रतिद्वंद्वी ने अगले दो गेम में कड़ी टक्कर दी और एक घंटे 18 मिनट तक चले गेम को जीत लिया। एक वक्त निर्णायक गेम में स्कोर 18-18 से बराबर हो गया था। हालांकि, इसके बाद निशिमोटो ने कमजोर रिटर्न पर अटैक किया और फिर श्रीकांत ने दो बार शॉट वाइड मारकर मैच जापानी खिलाड़ी के झोली में डाल दिया।

भुल्लर मोरक्को में संयुक्त 24वें स्थान पर

रबात (मोरक्को)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर

इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को के तीसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद 12 स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 24वें पायदान पर पहुंच गए। एशियाई टूर पर 11 खिताब जीतने वाले भुल्लर ने तीसरे दौर में दो बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाए।

बर्मिंघम में ऐतिहासिक जीत, आकाशदीप ने लिए 10 विकेट, गिल ने बनाए 430 रन

भारत की एजबेस्टन में ऐतिहासिक जीत इंग्लैंड को 336 से हराकर शृंखला बराबर की

एजेंसी ⏭ बर्मिंघम

बिहार के सासाराम के आकाश दीप (187 रन देकर 10 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारत ने रविवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन इंग्लैंड को 336 रन से हराकर एजबेस्टन में 58 साल पुराने मिथक को तोड़ते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की। भारत ने इस तरह पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट पांच विकेट से जीता था। स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में 28 वर्षीय आकाशदीप ने बड़े मंच पर प्रभावित करते हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट झटके जिससे मेजबान टीम 608 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 271 रन पर सिमट गई। इस जीत के दौरान कप्तान शुभमन गिल (269 रन और 161 रन) के दोनों पारियों में शतक से भारत ने रनों का अंबार लगाया तो वहीं आकाश दीप भी बल्लेबाजी के मुफीद पिच पर कमाल की गेंदबाजी से बराबर के हकदार हैं।बारिश के कारण पांचवें और अंतिम दिन का खेल एक घंटा 40 मिनट के विलंब से शुरू हुआ जिससे दिन के ओवर घटाकर 80 कर दिए गए। इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन से आगे खेलना शुरू किया।मोहम्मद सिराज (सात विकेट) ने पहली पारी में गेंदबाजी का नेतृत्व कर इंग्लैंड को 407 रन ही बनाने दिए थे, उन्होंने दूसरी पारी में शानदार कैच लपके।

सरकारी स्कूल के शिक्षक के बेटे आकाशदीप ने कर दिया कमाल

बिहार के एक छोटे से कस्बे में पर्याप्त मौके नहीं मिलने के कारण सरकारी स्कूल के शिक्षक के बेटे आकाशदीप के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। वह टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर मिलने वाली 'पॉकेट मनी' पर गुजारा करते। फिर बंगाल में सात साल पहले 'स्काउट्स' ने उनकी काबिलयत देखकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। उन्होंने 2019 में क्रिसमस के दौरान बंगाल के लिए अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला। उनकी तेज इनकटर ने जो रूट, बेन डकेट, ओली पोप और हैरी ब्रुक को चकमा दिया और अपने कप्तान को बुमराह की कमी महसूस नहीं होने दी। आकाशदीप की बहन कैंसर से पीड़ित है और हर बार जब वह पिच की ओर दौड़ते हैं तो उनकी बीमार बहन उन्हें दिखती। इंग्लैंड के लिए जैमी स्मिथ (88 रन) अकेले डटे रहे।

क्रिकेट

वैभव ने बताया लक्ष्य, कहा- लगाना चाहता हूं डबल सेंचुरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं।

■ वैभव ने कहा-अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा

सूर्यवंशी ने वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।'

गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक

लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।'

अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं

सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।'

हॉकी

मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित हुआ दीपिका का गोल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र के दौरान दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ किए गए मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए। विजेता का फैसला विश्व भर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया जाएगा। मतदान करने की अंतिम तिथि भारतीय समयानुसार 14 जुलाई सुबह 3 बजकर 29 मिनट है। इस पुरस्कार के लिए कुल 3 गोल को नामांकित किया गया है। दीपिका ने यह गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया यह मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी तब दीपिका ने 35वें मिनट में यह अविश्वसनीय गोल किया। उन्होंने नीदरलैंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए बायीं ओर से शानदार तरीके से ड्रिबल किया, बेसलाइन को छुआ और एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को आगे निकालकर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया।

गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक

दीपिका ने कहा, 'नीदरलैंड के खिलाफ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है। सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में मैच जीतने में मदद मिली। पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित होने पर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूं। ऐसे पलों के लिए ही हम कड़ा अभ्यास करते हैं।' दीपिका को इस पुरस्कार के लिए स्पेन की पैट्रिशिया अल्वारेज के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किए गए गोल तथा ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के इंग्लैंड के खिलाफ सामूहिक प्रयास से किए गए गोल की चुनौती का सामना करना होगा।

जायसवाल ने पूरी की अपने दृष्टिबाधित फैन की इच्छा, उपहार में नन्हें रवि को दिया ऑटोग्राफ वाला बल्ला

बर्मिंघम। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने एक प्रशंसक दृष्टिबाधित बच्चे रवि को ऑटोग्राफ वाला बल्ला देकर उसकी मुराद पूरी कर दी। यह बच्चा भारतीय बल्लेबाज से मिलने के लिए बेताब था।क्रिकेट प्रशंसक रवि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच से जायसवाल से मिलने की कोशिश कर रहे थे और शनिवार को यहां चल रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन आखिरकार उनकी यह इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से अभिभूत होकर, जायसवाल ने बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।'जायसवाल ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। मैं नहीं जानता कि मैं आपसे मिलने को लेकर नर्वस क्यों था।' जायसवाल ने कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है... मेरा बल्ला। मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें। आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा।' इस पर रवि ने जवाब दिया, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत-बहुत धन्यवाद। आप शानदार क्रिकेटर है। आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। मुझे क्रिकेट पसंद है, मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है।'

विद्या पिल्लई ने राष्ट्रमंडल बिलियर्ड्स टूर्नामेंट में हेबॉल स्पर्धा का स्वर्ण जीता

बालाक्लावा (मॉरीशस), (भाषा)। अनुभवी भारतीय क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ी विद्या पिल्लई ने रविवार को यहां पहली राष्ट्रमंडल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में अनुभव और धैर्य का शानदार इस्तेमाल करते हुए हेबॉल स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

■ मुकाबला 5-5 से बराबरी पर छूटने के बाद शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की

6-रेड स्नूकर में पूर्व विश्व चैंपियन 47 वर्षीय विद्या ने महिलाओं के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की मरीना जैकब्स के खिलाफ मुकाबला 5-5 से बराबरी पर छूटने के बाद शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की विद्या ने खिताबी मुकाबले में बेहतरीन शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त हासिल की लेकिन मरीना ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए स्कोर 5-5 कर दिया। विद्या ने हालांकि शूटआउट में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए शानदार जीत दर्ज की। भारत की चित्रा मगिमाइराज को स्वर्ण पदक के लिए हुए मैच में सिंगापुर की वीनस लिम झिन्यी से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें महिलाओं के 10-बॉल पूल में 5-5 से बराबरी करने के बाद शूटआउट (3-4) में हार का सामना करना पड़ा। चित्रा ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की लीन हास को 7-0 से हराया था। अन्य भारतीयों में अनुपमा रामचंद्रन और कीर्तना पांडियन को महिलाओं की 6-रेड स्नूकर स्पर्धा के सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अनुपमा को इंग्लैंड की रेबेका केना से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि कीर्तना को सिंगापुर की चुआ पेफेन ऑड्रे से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा।

क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट : रियाल मैड्रिड ने बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-2 से हराया

रियाल मैड्रिड और पीएसजी का सेमीफाइनल में होगा आमना-सामना

एजेंसी ⏭ ईस्ट रदरफोर्ड

यूरोप के दो चोटी के क्लब रियाल मैड्रिड और पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। रियाल मैड्रिड ने खेले गए मैच में

■ यूरोप के दो चोटी के क्लबों के बीच होगा रोमांचक मुकाबला

किलियन एमबाप्पे के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बाइसिकल किक से किए गए शानदार गोल की मदद से बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-2 से हराया।

गोंजालो गार्सिया और फ्रान गार्सिया ने पहले 20 मिनट में गोल करके मैड्रिड को 2-0 की बढ़त दिला दी। इससे मैड्रिड की जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन दूसरे हाफ का इंजरी टाइम घटना प्रधान रहा, जिसमें तीन गोल हुए। डॉर्टमंड के मैक्सिमिलियन बेयर ने इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में गोल किया लेकिन एमबाप्पे ने एक मिनट बाद बाइसिकल किक से खूबसूरत गोल किया, जिससे मैड्रिड ने फिर से दो गोल की बढ़त हासिल कर ली।

क्वार्टर फाइनल में पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को दी मात

सेरहो गुइरासी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदल दिया। डॉर्टमंड को डीन हुइजसेन के फाउल करने के कारण यह पेनल्टी मिली थी। रियाल मैड्रिड के खिलाड़ी को रेड कार्ड मिला और वह सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। इससे पहले एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को 2-0 से हराया। पीएसजी की तरफ से डिजायर डोउ और ओसमाने डेम्बले ने गोल किए। प्रतियोगिता के एक अन्य सेमीफाइनल में यूरोप के क्लब चेल्सी का ब्राजील के क्लब फ्लूमिनेंस से मुकाबला होगा।

खबर संक्षेप

सीए फाइनल परीक्षा में मुंबई के राजन काबरा ऑल इंडिया टॉपर

नई दिल्ली। सीए फाइनल परीक्षा में मुंबई के राजन काबरा ने आल इंडिया रैंक 1 हासिल किया, वहीं सीए इंटरमीडिएट में भी मुंबई की

ही दिशा आशीष गोखरू ने टॉप रैंक प्राप्त की। सीए फाउंडेशन परीक्षा में गाजियाबाद की वृंदा अग्रवाल ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। एआईआर 2 पर देवीदान यश संदीप रहे, जबकि एआईआर 3 की रैंक साझा रूप से यामिश जैन और निलय डांगी को प्राप्त हुई।

तालिबान को मान्यता देने की जल्दी में नहीं है पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वे फिलहाल अफगानिस्तान की

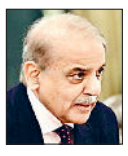

तालिबान सरकार को मान्यता देने की जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कोई भी फैसला देश के हितों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। पाकिस्तान का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब एक दिन पहले ही रूस ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देने का एलान कर दिया है।

आय समानता मामले में भारत का नया कीर्तिमान : वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत 25.5 के गिनी स्कोर के साथ आय समानता में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंच गया

अत्यधिक गरीबी भी घट गई.. 17.1 करोड़ भारतीय इससे बाहर निकले

वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग 2025 गरीबी और समानता ब्रीफ के अनुसार 2011 से 2023 के बीच 171 मिलियन (17.1 करोड़) भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया।

सरकारी कल्याणकारी योजनाओं ने इस बदलाव में अहम भूमिका निभाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

समानता के पैमाने पर भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश का गिनी सूचकांक 25.5 पर पहुंच गया है। स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद भारत समानता के मामले में चौथे स्थान पर आ गया है।

गिनी इंडेक्स का मतलब यह है कि किसी देश में आय, संपत्ति या उपभोग किस तरह से घरों या व्यक्तियों में समान रूप से वितरित किया जाता है। इस मामले में भारत ने चीन और अमेरिका जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है।

भारत ने चीन (35.7), अमेरिका (41.8) सहित सभी जी 7 और जी 20 देशों को पीछे छोड़ दिया

भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया

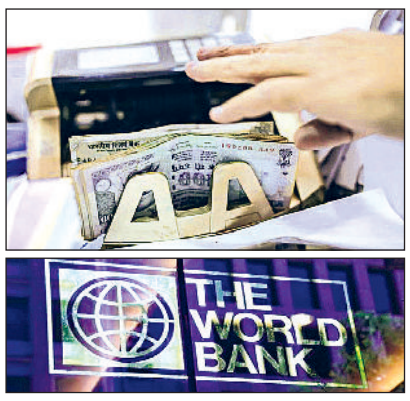

आर्थिक प्रगति देश की जनसंख्या में समान रूप से साझा

केंद्र सरकार का कहना है कि यह भारत के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि आर्थिक प्रगति किस प्रकार देश की जनसंख्या में समान रूप से साझा की जा रही है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तीय पहुंच का विस्तार करने और सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक सीधे कल्याण पहुंचाने पर केंद्रित नीतिगत ध्यान है। गिनी इंडेक्स में 0 पूर्ण समानता और 100 पूर्ण असमानता को दर्शाता है। गिनी इंडेक्स ▶▶ शेष पेज 4 पर

केवल 30 देश कम असमानता श्रेणी में

वैश्विक स्तर पर, केवल 30 देश मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आते है। इसमें मजबूत कल्याणकारी व्यवस्था वाले कई यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं। 2011 में भारत का गिनी स्कोर 28.8 था, जो अब घटकर 25.5 हो गया है। यह दर्शाता है कि देश में आर्थिक विकास अपेक्षाकृत अधिक समान रूप से वितरित ▶▶ शेष पेज 4 पर

- स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद भारत समानता के मामले में चौथे स्थान पर
- गिनी इंडेक्स का मतलब यह है कि किसी देश में आय, संपत्ति या उपभोग किस तरह से घरों या व्यक्तियों में समान रूप से वितरित किया जाता है

गरीबी दर घटकर हुई 2.3 प्रतिशत

वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग 2025 गरीबी और समानता ब्रीफ के अनुसार 2011 से 2023 के बीच 171 मिलियन (17.1 करोड़) भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया। प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की हिस्सेदारी, जो जून 2025 तक अत्यधिक गरीबी के लिए वैश्विक सीमा थी। 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत रह गई। सरकारी योजनाओं ने इस बदलाव में अहम भूमिका निभाई है। इन योजनाओं का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में सुधार करना, कल्याणकारी लाभ प्रदान करना और कमोजर वर्ग का समर्थन करना है। पीएम जनधन योजना, वित्तीय समावेशन भारत के सामाजिक समानता अभियान का केंद्र रहा है। 25 जून, 2025 तक 55.69 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। आधार और डिजिटल पहचान, इसने नागरिकों के लिए एक अद्वितीय डिजिटल पहचान बनाने में सक्षम बनाया है। 3 जुलाई, 2025 तक, 142 करोड़ से अधिक आधार कार्ड जारी किए जा चुके हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), प्रणाली ने कल्याणकारी भुगतानों को सुव्यवस्थित किया ▶▶ शेष पेज 4 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में सेंध

ट्रंप के गोल्फ कोर्स पर उड़ रहे प्लेन को लड़ाकू विमान ने खदेड़ा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी वायुसेना ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्फ कोर्स के ऊपर उड़ रहे एक नागरिक विमान को रोकने के लिए लड़ाकू जेट भेजा। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला सप्ताहांत के लिए न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी जब वीकेंड पर न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर स्थित निजी गोल्फ कोर्स में मौजूद थे, उसी दौरान उनकी सुरक्षा में बड़ी सेंध लगने से हड़कंप मच गया।

शनिवार 5 जुलाई को एक नागरिक विमान ने अस्थायी उड़ान प्रतिबंध (टीएफआर) का उल्लंघन किया, जिसके बाद उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) के लड़ाकू विमान ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस विमान को इंटरसेप्ट कर रोक दिया।

5 बार नियमों का किया उल्लंघन

बयान में बताया गया कि यह दिन भर में पांचवां टीएफआर उल्लंघन था। इससे पहले तीन और उल्लंघन हो चुके थे जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई। अमेरिकी एयरफोर्स ने सभी पायलटों को एफएए द्वारा जारी नोटिस टू एयर मिशन यानी नोटम पढ़ने और पालन करने की सख्त हिदायत दी है। एयरफोर्स ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यदि आप बेडमिंस्टर, एनजे के आस-पास उड़ान भरने की सोच रहे हैं, तो नोटम्स 1353, 1358, 2246, और 2247 पर जरूर नजर डालें। ये सुरक्षा के लिए हैं, कोई बहाना नहीं चलेगा! सावधान रहें और प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बाहर रहें। एनओआरएडी द्वारा एफटीआरए उल्लंघन की स्थिति में कैसे कार्रवाई की जाती है, इसके लिए उन्होंने एक वीडियो लिंक भी साझा किया है, जो जागरूकता बढ़ाने के लिए है।

प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में था विमान

एनओआरएडी ने जानकारी दी कि यह घटना दोपहर 2:39 बजे (ईडीटी) हुई जब सामान्य नागरिक विमान ने प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। एनओआरएडी के फाइटर जेट ने हेडबट रणनीति अपनाते हुए पायलट का ध्यान खींचा और विमान को सुरक्षित रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया।

किसानों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम बनाने को 75 अरब डॉलर की जरूरत

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में छोटे किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने में सक्षम बनाने के लिए लगभग 75 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के अध्यक्ष अल्वारो लारियो ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वित्त पहुंचाना दुनियाभर में और भारत में ग्रामीण समुदायों के लिए एक गंभीर चुनौती है। लारियो ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि भारत में आईएफएडी के लिए तीन बड़े सवाल हैं, "हम किसानों के लिए कृषि को अधिक लाभदायक कैसे बना सकते हैं, हम उत्पादकता को कैसे बढ़ा सकते हैं जबकि हम जलवायु झटकों से निपट रहे हैं और हम खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर कैसे बढ़ सकते हैं।

पीवीसी संयंत्र लगाएगा अदाणी समूह

नई दिल्ली (भाषा)। अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी का समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन सालाना क्षमता का पीवीसी संयंत्र लगाने जा रहा है। इसके साथ समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतर जाएगा। इस क्षेत्र में अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी कंपनी है। इसके साथ अदाणी समूह पीवीसी क्षेत्र भी रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। पीवीसी या पॉलिविनाइल क्लोराइड एक सिंथेटिक प्लास्टिक पॉलिमर है जिसका पाइप और फिटिंग से लेकर खिड़की और दरवाजे के फ्रेम, केबल इंसुलेशन, विनाइल फ्लोरिंग और वॉल कवरिंग, क्रेडिट कार्ड और खिलौने जैसे कई उत्पादों को बनाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। भारत की सालाना पीवीसी की मांग लगभग 40 लाख टन है।

रुपये पर तस्वीर के लिए टैगोर समेत कई नामों पर हुआ था विचार, महात्मा गांधी पर बनी थी सहमति

नई दिल्ली (भाषा)। रुपये पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की तस्वीर लगाने के लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा समेत कई नामों पर विचार किया गया था लेकिन सहमति महात्मा गांधी के नाम पर बनी थी। उसी आम सहमति का नतीजा है कि नोट पर गांधी की तस्वीर लंबे समय से बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कामकाज पर बने एक वृत्तचित्र में यह कहा गया है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि वह प्रिंटिंग प्रेस से देश के हर कोने में रुपये को पहुंचाने के लिए ट्रेन, जलमार्ग, हवाई जहाज समेत बड़ी परिवहन प्रणालियों का उपयोग करता है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। 'आरबीआई अनलॉक्ड: बियॉन्ड द रुपी' शीर्षक से जारी पांच भागों वाली यह श्रृंखला जियो हॉटस्टार के साथ मिलकर पेश की गयी है। बैंक नोट न केवल लेन-देन का साधन है।

'विकसित भारत' के लिए सालाना 10 प्रतिशत मूल्यानुसार जीडीपी वृद्धि की जरूरत: सीआईआई अध्यक्ष

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा है कि सरकार के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने के लिए भारत को सालाना 10 प्रतिशत की औसत मूल्यानुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर की जरूरत है। मूल्य के आधार पर या मूल्यानुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) किसी देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य है, जिसे वास्तविक जीडीपी के विपरीत, मुद्रास्फीति के समायोजन के बिना, वर्तमान बाजार मूल्यों का उपयोग करके मापा जाता है। मेमानी ने कहा कि भारत को विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए औसतन लगभग 10 प्रतिशत की मूल्यानुसार वृद्धि की आवश्यकता होगी।

24 घंटे में गाजा पट्टी में 130 ठिकानों पर हमला

इजराइल ने किया गाजा पर हवाई हमला, 33 फलस्तीनी मारे गए

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इजराइली सेना ने कहा कि उसने पिछले दिन संघर्षग्रस्त क्षेत्र में 100 से अधिक ठिकानों पर हमला किया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध विराम प्रयासों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से व्हाइट हाउस में वार्ता के लिए वाशिंगटन जाने की तैयारी कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरुआती 60 दिन के युद्ध विराम की योजना पेश की है।

गाजा शहर के दो मकानों को भी बनाया गया निशाना

जिसमें गाजा में मानवीय आपूर्ति में वृद्धि के बदले हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की आंशिक रूप से रिहाई शामिल है। प्रस्तावित युद्ध विराम में 21 महीने से जारी युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने के लिए वार्ता की बात कही गई है। गाजा शहर में सेवा प्रदान करने वाले शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेलमिया के अनुसार, इजराइली हमलों में गाजा शहर के दो मकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 20 लोग मारे गए और 25 घायल हो गए।

संघ ने धर्मांतरण सहित कई मुद्दों पर चर्चा की

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारकों की तीन-दिवसीय वार्षिक बैठक में धर्मांतरण और जनसंख्या वृद्धि में आनुपातिक अंतर के कारण उत्पन्न जनसांख्यिकीय असंतुलन सहित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक रविवार को यहां संपन्न हो गई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जहां संगठनात्मक मामलों और संघ के शताब्दी वर्ष की योजनाओं पर ध्यान दिया गया, वहीं संगठन ने देश के सामने मौजूद विभिन्न आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया। यह बैठक शुक्रवार को शुरू हुई थी और संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा प्रतिनिधियों को संबोधित करने के साथ इसका समापन हुआ। बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के खिलाफ "निरंतर हिंसा" पर भी चिंता जताई गई।

गडकरी ने दिल्ली के ट्रैफिक जाम से निपटने का बनाया प्लान

टनल से 15 मिनट में पूरा होगा 30 किमी का सफर

अब दिल्ली से गुरुग्राम के बीच जमीन के 'नीचे' बनेगी सड़क

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ट्रैफिक जाम न केवल दिल्ली में बल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले कई शहरों में यही समस्या है। अब केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार दिल्ली से लेकर गुरुग्राम तक टनल सड़क बनाने की योजना पर काम कर रही है। गडकरी ने बताया कि यह टनल दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम से लेकर गुरुग्राम तक बनाई जाएगी। इससे यात्रियों का काफी समय बचेगा। गडकरी ने बताया कि अभी दिल्ली से गुरुग्राम तक जाने के लिए 1 घंटे का समय लगता है, लेकिन यह टनल बन जाने के बाद दोनों के बीच की दूरी 15 मिनट में तय कर सकेंगे।

30-40 हजार करोड़ रुपए का बजट

गडकरी ने बताया कि परिवहन मंत्रालय के पास दिल्ली के लिए 30-40 हजार करोड़ रुपए का बजट है। इस टनल योजना का अध्ययन हो चुका है।

गडकरी की अगली पीढ़ी के परिवहन की योजना में हाइपरलूप, इलेक्ट्रिक रैपिड ट्रांसपोर्ट शामिल

रांची (भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने देश में अगली पीढ़ी के परिवहन के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा तैयार की है। इसमें शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक रैपिड ट्रांसपोर्ट, हाइपरलूप और दुर्गम इलाकों में रोपवे, केबल बसें और फनिक्युलर रेलवे शामिल है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारत का परिवहन क्षेत्र एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। इसमें ट्री बैंक, मोबाइल-आधारित ड्राइविंग परीक्षण और 11 प्रमुख वाहन विनिर्माताओं द्वारा फ्लेक्स-फ्यूल इंजन जैसी पहल पाइपलाइन में हैं।

नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम को मिली कामयाबी

अब जापानी वैज्ञानिकों ने बनाया कृत्रिम रक्त ब्लड ग्रुप की चिंता किए बिना भी चढ़ सकेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापानी वैज्ञानिकों ने रक्त की इस कमी को दूर करने के लिए कृत्रिम रक्त यानी आर्टिफिशियल तरह का खून विकसित कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे असली रक्त के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

इतना ही नहीं सबसे खास बात ये है कि इसका उपयोग किसी भी ब्लड ग्रुप के लिए किया जा सकता है और इसे बिना रेफ्रिजरेशन के लंबे समय तक सुरक्षित भी रखा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है

कि यह आपातकालीन चिकित्सा के दौरान सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौती को दूर करने और लोगों की जान बचाने में काफी मददगार हो सकती है। खबरों के मुताबिक जापान स्थित नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम इस साल एक क्लीनिकल ट्रायल शुरू करने जा रही है।

2030 में क्रत्रिम रक्त मिलना होगा शुरु

अब तक किए गए शुरुआती ट्रायल की प्रभाविकता की भी जांच की जानी है। यदि परीक्षण सफल होते हैं, तो जापान 2030 तक वास्तविक दुनिया की चिकित्सा प्रणालियों में कृत्रिम रक्त का उपयोग करने वाला पहला देश बन सकता है। स्थानीय समाचार आउटलेट क्योडो न्यूज के अनुसार, नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी के परीक्षण के शुरुआती चरणों में मार्च में 16 स्वस्थ वयस्कों को 100 से 400 मिलीलीटर कृत्रिम रक्त दिया गया था।

24 सदस्यीय टीम ने की तकनीकी जांच, 915 करोड़ का है फाइटर जेट

हाइड्रॉलिक फेल्योर के कारण टेक ऑफ करना संभव नहीं हुआ

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर ब्रिटेन का फाइटर प्लेन एफ-35 बी 22 दिन बाद हैंगर में शिफ्ट किया

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर 22 दिनों से खड़ा ब्रिटिश एफ-35बी स्टील्थ फाइटर जेट आखिरकार रविवार को हटा दिया गया। यह विमान 14 जून को आपातकालीन लैंडिंग के बाद वहां फंसा हुआ था। विमान को ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के एयरबस ए 400 एम एटलस से आई 24 सदस्यीय विशेषज्ञों की टीम ने तकनीकी जांच के बाद हैंगर में शिफ्ट किया।

ब्रिटिश एफ-35बी जेट एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर ग्रुप का हिस्सा है और केरल के तट से करीब 100 नॉटिकल मील दूर समुद्री अभ्यास कर रहा था। खराब मौसम और ईंधन की कमी के कारण इसे तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। भारतीय वायुसेना ने इस लैंडिंग में सहयोग करते हुए ईंधन और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की थी, लेकिन जब विमान को वापस ले जाने की तैयारी हो रही थी, तब उसमें हाइड्रॉलिक फेल्योर का पता चला, जो टेक-ऑफ और लैंडिंग के लिए खतरनाक हो सकता था।

हैंगर में शिफ्ट करने को राजी हुई ब्रिटिश टीम

ब्रिटिश नेवी की एक छोटी टीम ने विमान की मरम्मत की कोशिश की, लेकिन तकनीकी जटिलताओं के कारण वे असफल रहे। इसके बाद ब्रिटिश टीम ने एअर इंडिया द्वारा विमान को हैंगर में रखने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया, लेकिन बाद में मानसून की बारिश को देखते हुए वे मान गए।

एफ-35 बी जेट पर बने मीम्स

इस दौरान सोशल मीडिया पर एफ-35 बी जेट मजाक और मीम्स का विषय भी बना। एक्स पर लोगों ने इसे 'आधार कार्ड' से लेकर बॉलीवुड डायलॉग तक में शामिल किया। यहां तक कि केरल टूरिज्म ने भी एक मजेदार पोस्ट के जरिए इस पर चुटकी ली। अब इस विमान को हटा लिया गया है, यह देखना होगा कि ब्रिटिश तकनीकी टीम इसे उड़ान लायक कब बना पाती है और कब यह एचएमएस प्रिंस ऑफ वाल्स में वापस लौटता है।

सीमित क्षेत्र से भर सकता है उड़ान

एफ-35 बी लाइटनिंग दुनिया का सबसे आधुनिक पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है, जिसकी कीमत करीब 110 मिलियन डॉलर (करीब 915 करोड़ रुपये) है। यह एसटीओवीएल यानी शॉर्ट टेक ऑफ एंड वर्टिकल लैंडिंग क्षमता से लैस है और छोटे डेक या सीमित क्षेत्र वाले बेस से उड़ान भरने में सक्षम है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25